लखनऊ

शनिवार, 9 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 255

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"किताबों में लिखा हर शब्द आपकी किस्मत बदल सकता है बस उसे पढ़ने का धैर्य होना चाहिए।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

डीआरडीओ और भारतीय वायु सेना ने सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 7 मई, 2026 को ओडिशा के तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टीएआरए) हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। टीएआरए एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है। टीएआरए अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है। टीएआरए को हैदराबाद स्थित इमारात अनुसंधान केंद्र (आरसीआई) ने डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से डिज़ाइन और विकसित किया है। इसका उद्देश्य ज़मीनी लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाना है। यह अत्याधुनिक कम लागत वाली प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला ग्लाइड हथियार है। इस किट का निर्माण विकास सह उत्पादन साझेदारों (डीसीपीपी) और अन्य भारतीय उद्योगों के सहयोग से किया गया है। इसका उत्पादन कार्य शुरू कर दिया गया है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रथम उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, आईएएफ, डीसीपीपी और उद्योग जगत को बधाई दी है और इसे भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने भी इस सफल उड़ान परीक्षण से जुड़ी टीमों को बधाई दी।

लखीमपुर हिंसा मामला: ट्रायल में गवाहों को पेश न करने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा और अन्य के खिलाफ चल रहे ट्रायल में गवाहों को पेश न करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया। बेंच ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल की गई स्टेटस रिपोर्ट में गवाहों को पेश न करने का कोई कारण नहीं बताया गया है। बेंच ने कहा कि करीब दो महीने से ट्रायल में किसी गवाह से पूछताछ नहीं हुई है। बेंच ने कहा, हम जज को गवाहों की मौजूदगी पक्का करने के लिए कानूनी कदम उठाने का निर्देश देते हैं। बेंच ने ट्रायल कोर्ट के जज से कहा कि वे ट्रायल को समयबद्ध तरीके से खत्म करने की कोशिश करें। बेंच ने जज से स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिए।इस घटना से जुड़े दो मामलों में उत्तर प्रदेश की एक अदालत में ट्रायल चल रहा है। बता दें कि यह मामला 3 अक्तूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया क्षेत्र में हुई हिंसा से जुड़ा है। उस दिन किसान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। आरोप है कि प्रदर्शन कर रहे किसानों पर एक एसयूवी वाहन चढ़ा दिया गया, जिसमें चार किसानों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इलाके में हिंसा भड़क

पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज, टीआरई 4 विज्ञापन में देरी से नाराज छात्र सड़क पर उतरे

पटना। बिहार में शिक्षक भर्ती टीआरई-4 को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज के बाद कांग्रेस ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि बेरोजगार युवा नौकरी मांग रहे थे, लेकिन सरकार ने उनकी मांग सुनने के बजाय पुलिस से लाठियां चलवा दीं। पार्टी ने इसे बिहार में "जंगलराज" की स्थिति बताया है।

लाठीचार्ज की घटना के बाद कांग्रेस ने सोशल मीडिया और बयान जारी कर सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि बिहार में बेरोजगार युवा रोजगार मांग रहे थे, लेकिन बीजेपी सरकार ने पुलिस भेजकर उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटवाया। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की आवाज दबाने का काम कर रही है और बेरोजगारों की समस्याओं को सुनने के बजाय बल प्रयोग कर रही है।

शुक्रवार को बड़ी संख्या में TRE-4 शिक्षक अभ्यर्थियों ने पटना कॉलेज से विरोध मार्च निकाला। अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे और इस दौरान सम्राट सरकार तथा बीपीएससी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। प्रदर्शनकारी लंबे समय से TRE-4 भर्ती का विज्ञापन जारी करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में लगातार देरी हो रही है, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने अभ्यर्थियों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की, लेकिन छात्र नहीं माने। इसके बाद पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई और हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान कई छात्रों को चोटें आईं। वहीं कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर वैन में बैठा दिया। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने बीपीएससी की नई नियमावली का भी विरोध किया।

युवाओं को मांग रखने का अधिकार: चिराग

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा (TRE) 4.0 की अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। चिराग पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में युवाओं को अपनी जायज मांगों को रखने का अधिकार है। शिक्षक भर्ती की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अभ्यर्थी लंबे समय से अधिसूचना जारी होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उनकी आवाज सुनने के बजाय बल प्रयोग करना संवेदनशीलता और संवाद की भावना के विपरीत है। उन्होंने सरकार को सुझाव भी दिया। कहा कि सरकार एवं प्रशासन को चाहिए कि अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए जल्द से जल्द TRE-4 की अधिसूचना जारी करे तथा युवाओं के भविष्य और उनके धैर्य का सम्मान करे।

1.19 लाख स्कूलों में बिजली नहीं, लड़कियों के लिए शौचालय नहीं– नीति आयोग की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर के सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, यह खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, नीति आयोग की सरकारी स्कूल शिक्षा एवं अवसंरचना रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक और प्रयोगशाला तो छोड़िए, बिजली-पानी और शौचालय तक नहीं है। साथ ही, कई राज्यों में कक्षा 5 के बाद छात्रों की पढ़ाई छोड़ना बड़ी समस्या बना हुआ है।

आयोग की भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली शीर्षक नाम की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यात्मक शौचालय नहीं हैं, जबकि 61,540 स्कूलों में उपयोग योग्य शौचालय नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 साल में स्कूलों में बिजली की उपलब्धता 55 प्रतिशत से बढ़कर 91.9 प्रतिशत हुई है, लेकिन अभी भी 1.19 लाख स्कूलों में बिजली की सुविधा नहीं है। करीब 14,505 स्कूलों में पानी, 59,829 स्कूलों में हाथ धोने की सुविधा नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 1.04 स्कूलों सिर्फ एक शिक्षक हैं। इनमें करीब 89 प्रतिशत स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। बिहार में प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पद सबसे अधिक है। बिहार में 2,08,784, झारखंड में 80,341 और मध्य प्रदेश में 47,122 पद रिक्त हैं। अगर कक्षा 5 के बाद स्कूल छोड़ने की बात करें तो पश्चिम बंगाल में 20 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 18.3 प्रतिशत, कर्नाटक में 18.3 प्रतिशत और असम में 17.5 प्रतिशत ड्रॉप-आउट दर है।

विजय होंगे तमिलनाडु के सीएम, रास्ता हुआ साफ, इन पार्टियों ने कर दिया सपोर्ट

चेन्नई, एजेंसी। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में फ़िल्म स्टार विजय की टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके साथ ही राज्य में अस्थिर गठबंधन सरकार के दौर की शुरुआत होती दिख रही है।

यह पहली बार नहीं है जब तमिलनाडु की जनता ने ऐसा जनादेश दिया हो, जिसमें सबसे बड़ी पार्टी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर सकी हो। दरअसल, ठीक 20 साल पहले द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) को टीवीके से भी कम सीटें मिली थीं। तब डीएमके ने केवल 96 सीटें जीती थीं, जबकि इस बार टीवीके को उससे कहीं ज़्यादा सीटें मिली हैं। लेकिन तब डीएमके को 34 सदस्यीय कांग्रेस के बाहरी समर्थन के साथ-साथ दो कम्युनिस्ट पार्टियों, नौ सदस्यों वाली सीपीएम और छह सदस्यों वाली सीपीआई और 18 सदस्यीय पीएमके का भी समर्थन हासिल था।

दूसरी ओर, टीवीके ने 108 सीटें जीती हैं। हालांकि यह संख्या बाद में 107 हो जाएगी, क्योंकि टीवीके प्रमुख जोसेफ़ विजय दो सीटों से चुने गए हैं और उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। टीवीके को पांच सदस्यीय कांग्रेस का समर्थन मिला है। इस तरह इसकी कुल संख्या 112 तक पहुंचती है।

टीवीके पर सवाल क्यों?

234 सदस्यीय सदन में साधारण बहुमत के लिए 118 विधायकों का समर्थन ज़रूरी है। राजनीतिक रूप से आंकड़ों के आधार पर पलड़ा टीवीके के पक्ष में झुका लगता है। लेकिन अभी का राजनीतिक माहौल ज़्यादा अस्थिर दिखाई पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत ने सुनाया किस्सा, जब जजने कहा– कमरे से बाहर निकलो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को न्यायिक सेवा परीक्षा के प्रश्नपत्र के पुनर्मूल्यांकन की मांग करने वाले एक अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान अपने प्रारंभिक कानूनी जीवन से जुड़ा एक व्यक्तिगत किस्सा साझा किया। उन्होंने इस अनुभव का उपयोग न्यायपालिका में करियर बनाने के इच्छुक युवा विधि उम्मीदवारों को सलाह देने के लिए किया। उन्होंने युवा उम्मीदवारों को छोटी-मोटी असफलताओं से निराश न होने और बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखने की सलाह दी। सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने सुझाव दिया कि याचिकाकर्ता को वर्तमान याचिका पर जोर देने के बजाय भविष्य में उच्च न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने पर विचार करना चाहिए।

अपने स्वयं के जीवन के अनुभवों को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे कानून के अंतिम वर्ष के छात्र रहते हुए भी उन्होंने न्यायिक सेवा में शामिल होने की इच्छा रखी थी। अगली बार उच्च न्यायिक सेवाओं के लिए आवेदन करें। लेकिन मैं आपको एक बात बताना चाहता हूँ, कि आपको इस पर ज़ोर क्यों नहीं देना चाहिए," मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने समझाया कि जब उन्होंने न्यायिक सेवाओं के लिए आवेदन किया था, तब अंतिम वर्ष के छात्र परीक्षा में बैठने के पात्र थे। हालांकि, परिणाम घोषित होने से पहले, भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हुए। ये बदलाव सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद हुए, जिसमें उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने का निर्देश दिया गया था, जिनकी राय लोक सेवा आयोग पर बाध्यकारी होगी।

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि उस दौरान वे पहले ही उच्च न्यायालय में पेश होने लगे थे, जहाँ साक्षात्कार समिति के वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक उनके काम से परिचित थे। उस मुलाकात को याद करते हुए उन्होंने बताया कि न्यायाधीश ने साक्षात्कार के लिए उपस्थित उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम देखा था। मुख्य न्यायाधीश ने याद करते हुए कहा कि एक दिन उन्होंने मुझे अपने कक्ष में बुलाया और पूछा, 'क्या आप न्यायिक अधिकारी बनना चाहते हैं?' उन्होंने तुरंत कहा, कक्ष से बाहर निकलो।

अगले 5 दिनों में फिर तीखे होंगे गर्मी के तेवर, कई राज्यों में लू को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। मई में भीषण गर्मी की बजाय अंधड़-बारिश के कारण मौसम में उलटफेर देखा जा रहा है। सुबह-शाम मौसम सुहाना बना हुआ है, जबकि दोपहर में तेज धूप निकल रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश और बिहार सहित 11 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्कम में भारी बारिश हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार, 10 से 13 मई के बीच उत्तर-पश्चिम भारत के पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में बारिश-अंधड़ का नया दौर शुरू होगा। इस दौरान बिजली गिरने और 40-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भी मौसम खराब होने की संभावना बनी हुई है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी कई जगह भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

पिछले दिनों मौसम में आए बदलाव से दिल्ली समेत एनसीआर मौसम सुहावना बना हुआ था, लेकिन अब लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने 8-12 मई के बीच भीषण गर्मी पड़ने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तापमान में 2-3 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। दोपहर के समय लू भी चल सकती है। आज अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। राजस्थान में अगले 3-4 दिनों में बारिश की गतिविधियां कमजोर पड़ेंगी और तापमान में 3-5 डिग्री तक की बढ़ोतरी होगी।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रम्प को लिखा पत्र, कहा– इंडिया में लोकतंत्र पर दुनिया को भी सच जानना चाहिए

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों पर बधाई संदेशों की खबरों के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त की है। अमेरिकी राष्ट्रपति को लिखे अपने ट्वीट के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि उनका मानना है कि चुनाव को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई जा रही चिंताओं को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष रखना उनका कर्तव्य है।

राउत ने कहा कि मुझे लगता है कि यह खबर झूठी है। अगर कल मोदी ग्राम पंचायत चुनाव जीत जाते हैं, तो क्या राष्ट्रपति ट्रंप, मैक्रॉन और स्टारमर मोदी को बधाई देंगे? अमेरिका सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारत भी है। पूरी दुनिया जानती है कि भारत में लोकतंत्र के नाम पर क्या हो रहा है। राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे और ममता बनर्जी ने बार-बार इस पर अपनी राय रखी है। राउत ने कहा कि उन्होंने चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठाई गई चिंताओं को उजागर करने की कोशिश की है, जिसमें संस्थानों की भूमिका और चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती से जुड़े आरोप भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सही करना मेरा कर्तव्य है। दुनिया को भी पता होना चाहिए कि इस देश में, पश्चिम बंगाल में, तमिलनाडु में और असम में लोकतंत्र के नाम पर क्या हो रहा है। मुझे विश्वास नहीं होता कि डोनाल्ड ट्रंप ने मेरा ट्वीट पढ़ा होगा, लेकिन मैंने अपना कर्तव्य निभाया... ये भाजपा के लोग मोदी की छवि खराब कर रहे हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री पर मुकदमा चलाने में देरी, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहने के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी पर निर्णय 2 सप्ताह पहले आ जाना चाहिए था। राज्य सरकार से यह मंजूरी विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मांगी थी। बार एंड बेंच के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी ने मामले की जांच शुरू की थी और शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार से मंजूरी मांगी थी। सीजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा, अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। बहुत हो गया। सबसे पहले तो माफी मांगनी चाहिए थी। संज्ञान लेने के बाद ही माफी मांगी गई। 4 सप्ताह बाद इसे सूचीबद्ध कीजिए। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि अभी मंत्री पर मुकदमा चलाने की मंजूरी पर फैसला लंबित है। मेहता ने कहा, उन्होंने जो कहा वह दुर्भाग्यपूर्ण था। संभवतः वह महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे, लेकिन वह अपने शब्दों को व्यक्त नहीं कर सका। सीजेआई इससे असमत दिखे और बोले, यह दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था।

मणिशंकर अय्यर ने कहा– कांग्रेस–टीवीके गठबंधन अवसरवादी राजनीति का उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु में टीवीके के साथ कांग्रेस के गठबंधन को बहुत खराब निर्णय बताते हुए कहा कि इससे निम्न स्तर के राजनीतिक अवसरवाद की बू आती है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी को सरकार बनाने लायक बहुमत नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन दिया है और कहा है कि कांग्रेस भविष्य में भी टीवीके के साथ है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश में डीएमके का साथ छोड़कर टीवीके के साथ आई है। डीएमके ने कांग्रेस की इस रणनीति को पीठ में छुरा घोंपने वाला बताया है।

कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित होगा टीवीके को समर्थन देना

मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि कांग्रेस के इस फैसले से निम्न स्तर के राजनीतिक अवसरवाद की बू आती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस फैसले से बीजेपी को फायदा होगा और वह सत्ता के गलियारे में पिछले दरवाजे से प्रवेश कर सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह कांग्रेस के लिए सबसे खतरनाक और राजनीतिक फुटबॉल के इतिहास में सबसे खराब आत्मघाती गोल साबित होगा।अय्यर ने कहा कि वह इस बात की कल्पना नहीं कर सकते कि कांग्रेस के पूर्वज ऐसी अवसरवाद की राजनीति को अपना आशीर्वाद देते।

अवसरवादी राजनीति

पीटीआई न्यूज के अनुसार अय्यर ने कहा कि द्रमुक के साथ चुनाव लड़ने के तुरंत बाद कांग्रेस का टीवीके के साथ गठजोड़ करने का फैसला बहुत खराब है। उसने 23 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को हराया है।अय्यर ने कहा कि यह महात्मा गांधी के 1925 के उस कथन का अक्षम्य उल्लंघन है कि स्वराज को नैतिकता पर आधारित सरकार होना चाहिए।द हिंदू के तमिल संस्करण में प्रकाशित एक लेख में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने पूछा कि तमिलनाडु में कांग्रेस के साझेदार बदलने में चाणक्य की जीत हुई है या महात्मा गांधी की? उनका कहना है कि कांग्रेस ने चुनाव में जो पांच सीटें जीतीं, उसने यह सीटें अपने दम पर नहीं बल्कि पूरी तरह से द्रमुक के साथ अपनी दशकों पुरानी साझेदारी के बल पर जीती। उसके बाद टीवीके के साथ गठबंधन बहुत ही अनैतिक है।

'सबसे बड़ी पार्टी को मिले मौका', उमर अब्दुल्ला ने विजय के बहाने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश याद दिलाए

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 8 मई को कहा कि यदि तमिलनाडु में चुनाव होते हैं, तो सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया जाना चाहिए। न्यायिक व्याख्याओं का हवाला देते हुए उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रपति शासन की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और सबसे बड़ी पार्टी को सरकार स्थापित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। अभिनेता से राजनेता बने विजय का विशेष रूप से जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अगर वे विधानसभा में बहुमत साबित कर सकते हैं तो उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए, अन्यथा उनसे इस्तीफा देने की उम्मीद की जाएगी।

पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हम सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करें तो राष्ट्रपति शासन नहीं होना चाहिए। ऐसे कई मामले हैं जिनमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि चुनाव के बाद सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। विजय को सरकार बनाने का मौका दिया जाना चाहिए। अगर वे विधानसभा में अपना बहुमत साबित कर सकते हैं तो वे बने रहेंगे; अन्यथा उन्हें इस्तीफा देना होगा।

जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक माहौल को लेकर विपक्ष के नेता सुनील शर्मा की टिप्पणियों के जवाब में अब्दुल्ला ने अपने प्रशासन का जोरदार बचाव किया और भाजपा की आलोचना करते हुए विपक्ष पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शर्मा की इस टिप्पणी पर कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर एक एकनाथ शिंदे उभर सकता है, अब्दुल्ला ने कहा कि ऐसा कोई खतरा नहीं है क्योंकि सभी नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक एकजुट हैं।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर नि :शुल्क चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विश्व रेड क्रॉस दिवस के पावन अवसर पर पर्यावरण पार्क, सुलतानपुर में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं समाज कल्याण की भावना से प्रेरित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने शिविर में आए मरीजों को चिकित्सीय परामर्श प्रदान करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सदैव मानवता की सेवा के लिए समर्पित संस्था रही है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना इसका मुख्य उद्देश्य है।इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जनपद सुल्तानपुर के चेयरमैन डॉ. डी. एस. मिश्रा ने डॉ. राजीव श्रीवास्तव को रेड क्रॉस प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राजीव श्रीवास्तव द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता रहा है, जो संस्था के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, सुलतानपुर के सचिव श्री जय प्रकाश शुक्ल, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय खत्री, डॉ. चन्द्र भान सिंह, महिला विंग सचिव दीपिका सिंह सहित अनेक गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रमुख रूप से नवीन शुक्ला, त्रिभुवन नाथ तिवारी, शिवकुमार, सूर्यांश श्रीवास्तव, मोहित शर्मा, विजेंद्र त्रिपाठी, मनोज कुमार एवं अवधेश मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. डी. एस. मिश्रा एवं उपाध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीवास्तव द्वारा सक्रिय रूप से कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

शक, शव और सनसनी: पत्नी के दिव्यांग युवक से थे संबंध, पति ने खेत में बुलाकर दी ऐसी मौत, 37 दिन बाद सुलझी गुत्थी

आर्यावर्त संवाददाता

भमोरा (बदायूं)। बदायूं के बिसौली थाना क्षेत्र के गांव गुलड़िया निवासी सिंकू उर्फ मुकेश ने पत्नी से प्रेम प्रसंग होने के शक में आंवला थाना क्षेत्र के आसपुर निवासी दिव्यांग चंद्रप्रकाश की रस्सी से गला कसकर हत्या की थी। हत्या के बाद शव खेत में फेंक दिया। पुलिस ने हत्यारोपी सिंकू को गिरफ्तार किया है। चंद्रप्रकाश का शव 37 दिन पहले सेंधी-ख्योराजपुर मार्ग पर गेहूं के खेत में मिला था। वह ई-रिक्शा चलाता था।

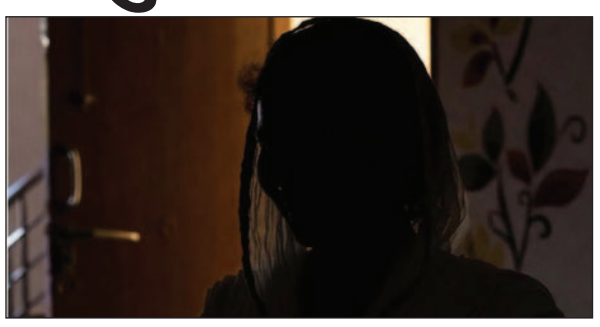

पुलिस के मुताबिक, 30 मार्च को गांव कीरतपुर निवासी विंद्र सिंह ने सोमपाल के खेत में शव मिलने की सूचना दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। शव की पहचान चंद्रप्रकाश के रूप में हुई। चंद्रप्रकाश के पिता वीरपाल की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज की। सिंकू की पत्नी शिवानी से संबंध था। इसी प्रेम प्रसंग को लेकर आरोपी सिंकू उससे रंजिश मानता था। सिंकू ने योजनाबद्ध तरीके से चंद्रप्रकाश की हत्या की।

पहले पिलाई शराब, फिर ली जान

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सिंकू ने चंद्रप्रकाश को साथ ले जाकर शराब पिलाई। इसके बाद सिंकू ने चंद्रप्रकाश को अपनी पत्नी से बात करने से मना किया। इस पर दोनों में कहासुनी और गाली-गलौज हुई। गुस्से में सिंकू ने चंद्रप्रकाश को धक्का दिया और ई-रिक्शा में पड़ी रस्सी से उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद शव खेत में फेंककर वह ई-रिक्शा के साथ बरेली भागा और बाद में दादरी चला गया। मुखबिर की सूचना पर सोमवार देर रात आरोपी को ग्राम सरदार नगर जाने वाले कट के पास से गिरफ्तार किया गया।

> हत्यारोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर ई-रिक्शा बरामद किया गया है।
> - अंशिका वर्मा, एसपी दक्षिणी

गोली मारकर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

गांव भीकमपुर में 18 अप्रैल को हुए कल्लू हत्याकांड में पुलिस ने एक आरोपी सतेंद्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर हत्या और जानलेवा हमले का आरोप है। पुलिस ने उसको मकरंदपुर रेलवे फाटक के पास से पकड़ा। धर्मपाल पुत्र लखपत सिंह ने 18 अप्रैल को भमोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि फूलसिंह, सतेंद्र, जीराज, दीपक, सुनील, नरवीर और जोगेंद्र ने उनके भाई कल्लू उर्फ कल्याण सिंह (48) को गोली मार दी। गोली लगने से कल्लू की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के दौरान धर्मपाल पर भी फायरिंग की गई थी। पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस फूल सिंह, नरवीर और जोगेंद्र को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। उनको जेल भेजा जा चुका है।

प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को मकरंदपुर रेलवे फाटक के पास घेराबंदी करके आरोपी सतेंद्र को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। उनको जल्द गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रंजिश में की हत्या

पुलिस जांच में सामने आया कि कल्लू उर्फ कल्याण सिंह और आरोपी पक्ष के बीच लंबे समय से रंजिश चली आ रही थी। करीब एक वर्ष पहले गांव के ही जीराज ने कल्याण सिंह के घर के पास जमीन खरीदी थी। इसी जमीन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद रहने लगा था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया। गिरफ्तार आरोपी सतेंद्र के खिलाफ पहले से भी आपराधिक धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हैं।

3 बच्चों की मां, सरकारी टीचर, प्रेमी संग हुई फरार... बीएसए ने सस्पेंड किया तो भागते हुए वापस आई

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के वजीरगंज क्षेत्र में तैनात एक महिला शिक्षिका का मामला इन दिनों पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। तीन बच्चों की मां बताई जा रही शिक्षिका अचानक घर से अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। इस का पता चलने के बाद से ही परिवार, पुलिस और शिक्षा विभाग हो गया। शिक्षा विभाग ने विभागीय कार्रवाई के तहत उसे निलंबित कर दिया। इस बात की जानकारी होते ही महिला दौड़े-दौड़े विभाग के दफ्तर पहुंची, जिसने पूरे मामले को सुर्खियों में ला दिया है।

जानकारी के अनुसार, वजीरगंज ब्लॉक क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में तैनात महिला शिक्षिका का लंबे समय से एक युवक से संपर्क था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोनों के बीच धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ती

चली गईं। इसी बीच कुछ दिन पहले शिक्षिका अचानक घर से गायब हो गई। परिवार के लोगों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो पति ने रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया। बाद में मामले की शिकायत स्थानीय थाने में दी गई।

महिला शिक्षिका सस्पेंड

मामला पुलिस तक पहुंचते ही क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। गांव की चौपालों से लेकर बाजारों तक लोग इस घटनाक्रम पर चर्चा करते नजर आए। परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि इस घटना से परिवार काफी परेशान और मानसिक तनाव में है। उधर, मामला शिक्षा विभाग तक पहुंचने के बाद अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया। बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और अनुशासनहीनता को आधार मानते हुए वीरेंद्र कुमार सिंह ने महिला शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

क्यों लौट आई शिक्षिका?

बीईओ वजीरगंज दिलीप कुमार ने बताया कि विभागीय स्तर पर पूरे मामले की जांच चल रही है। महिला शिक्षिका का कोई प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा है, जिसमें बीएसए साहब द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है। सूत्रों के मुताबिक, निलंबन की जानकारी मिलने के बाद शिक्षिका वापस लौट आई है और विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर अपना पक्ष रखने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि शिक्षिका ने विभाग को स्पष्टीकरण देने की तैयारी भी शुरू कर दी है। हालांकि, शिक्षा विभाग की ओर से अभी तक मामले में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। स्कूलों, गांवों और स्थानीय बाजारों में लोग तरह-तरह की चर्चाएं करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, पुलिस और शिक्षा विभाग दोनों अपने-अपने स्तर पर मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

नवविवाहिता का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, इलाके में सनसनी

चांदा/सुलतानपुर। कोतवाली क्षेत्र के बरनी गांव में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक नवविवाहिता का शव घर के कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। मृतका की पहचान नेहा पत्नी सौरभ तिवारी निवासी बरनी थाना चांदा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर नायब तहसीलदार अभयराज पाल, कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मिश्रा, अपराध निरीक्षक तनवीर खान व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि नेहा की शादी करीब एक वर्ष पूर्व हुई थी। मृतका के पति मुंबई में नौकरी करते हैं और घटना के समय मुंबई में ही मौजूद थे। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धोपाप धाम में विधायक ने किया पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ/सुल्तानपुर। लंभुआ तहसील के ऐतिहासिक पौराणिक तीर्थ स्थल धोपाप धाम को पर्यटन मानचित्र पर लाने की कवायद शुरू हो गई है। शुक्रवार को लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा ने 1.96 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास किया। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा इस प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी जल निगम की सीएंडडीएस यूनिट-44, अयोध्या को सौंपी गई है। पर्यटन अनुभाग-1, लखनऊ ने 19 मार्च 2026 को इस कार्य की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की थी। धोपाप धाम के विकास के लिए स्वीकृत प्रोजेक्ट के तहत एक बहुउद्देशीय हॉल भवन का निर्माण होगा। भूतल पर मल्टीपरपज हॉल, कॉरिडोर, महिला-पुरुष शौचालय और सीढ़ियां बनेंगी।

प्रथम तल पर अटैच्ड टॉयलेट युक्त 6 गेस्ट रूम, ओपेन टैरेस, सुलभ प्रसाधन, पेयजल व्यवस्था व म्यूरल का निर्माण कराया जाएगा। विधायक सीताराम वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का आभार जताते हुए धोपाप धाम को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की बात कही।

शाहगढ़-कुटीवा-कादीपुर मार्ग पर स्थित धोपाप धाम में सुविधाओं के विस्तार से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मीकांत दुबे,भाजपा नेता रविंद्र तिवारी,शाहगढ़ प्रधान प्रतिनिधि शुभम सोनकर, आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय सिंह बबलू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लावारिस शव की नहीं हुई पहचान, तो सामाजिक संस्था अंकुरण ने कराया अंतिम संस्कार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के सकवा नहर में में एक अज्ञात महिला (उम्र करीब 28 -30 वर्ष) का शव मिलने के बाद जब कोई वारिस सामने नहीं आया, तो सामाजिक संस्था अंकुरण फाउंडेशन ने इंसानियत की मिसाल पेश की है। कानूनन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी जब कोई परिजन शव लेने नहीं पहुंचा तो प्रशासन के माध्यम से अंतिम संस्कार के लिए अंकुरण से संपर्क किया।

अंकुरण के सदस्यों के सहयोग से अज्ञात व्यक्ति के शव को श्मशान घाट ले जाया गया। जहाँ संस्था के अध्यक्ष डॉ आशुतोष श्रीवास्तव एवं मो आरिफ खान ने महिला कांस्टेबल कांस्टेबल पूनम सिंह एवं कांस्टेबल कमला यादव के उपस्थिति में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार मुखाग्नि देखकर उसका दाह संस्कार करवाया। अंकुरण के मीडिया प्रभारी दीपक जायसवाल ने बताया कि हर इंसान

का अंतिम विदाई सम्मानजनक होनी चाहिए। संस्था इसके लिए प्रयासरत है, अभी तक करीब 60 लावारिस लाशों का दाह संस्कार संस्था द्वारा किया जा चुका है। अंतिम संस्कार के दौरान वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। स्थानीय लोगों ने अंकुरण की इस संवेदनशीलता की जमकर तारीफ की है। संस्था से जुड़े चंद्रदेव शुक्ला एवं मुकेश कुमार का कहना है कि संस्था का यह रूप समाज में विश्वास पैदा करता है कि लावारिस होने के बावजूद किसी को श्बेसहाराश नहीं छोड़ा जाएगा। संस्था के युवा सचिव एडवोकेट प्रज्ज्वल श्रीवास्तव ने बताया कि भले ही अंतिम संस्कार कर दिया गया है, लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में जानकारी सुरक्षित रखी गई है ताकि भविष्य में कभी पहचान होने पर परिजनों को सूचित किया जा सके। शुरुआती जांच में जांच में मृतका के पास ऐसा कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके।

अवैध पिस्टल से युवक को सीने में गोली मारकर हत्या

अमेठी/सुल्तानपुर। अमेठी जनपद के पीपरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खानापुर गांव में शुक्रवार को अवैध असलहे से युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्रीकांत मिश्रा के मौसेरे भाई सचिन पांडे को गांव के ही युवक दीपक मिश्रा ने पिस्टल दिखाने के बहाने बुलाया था। इसी दौरान अचानक अवैध पिस्टल से दीपक मिश्रा के सीने में गोली मार दी गई। गोली लगते ही युवक गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने आनन-फानन में घायल युवक को सुल्तानपुर जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही जिला अस्पताल में भारी भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने युवक को पिस्टल दिखाने के लिए बुलाया था, लेकिन देखते ही देखते गोली चला दी।

जेल जाने के डर ने ली जान! 41 साल पुराने डबल मर्डर केस में मिली उम्रकैद, 70 साल के आरोपी ने लगाई फांसी

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। जालौन के सिरसा कलार थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बुजुर्ग द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया गया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दो दिन पहले आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखे जाने के बाद से वृद्ध मानसिक तनाव में था। गुरुवार सुबह उसने खेत पर बने ट्यूबवेल के कमरे में गमछे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान ग्राम पिथउपुर थाना सिरसा कलार निवासी 70 वर्षीय अमर सिंह पुत्र स्वर्गीय बाबूराम के रूप में हुई। ग्रामीणों के मुताबिक, अमर सिंह अपने पुत्र रविंद्र उर्फ मनचुरे के साथ गांव के बाहर खेत पर बने ट्यूबवेल पर रहता था।

गुरुवार सुबह जब काफी देर तक वह बाहर नहीं निकला तो परिजनों ने अंदर जाकर देखा। कमरे में अमर सिंह का शव गमछे के सहारे फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।

बताया गया कि वर्ष 1984 में गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुए दोहरे हत्याकांड में अमर सिंह नामजद था। आरोप था कि मई 1984 में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव निवासी सरवन और वीरेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में रामजीवन की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था, जिसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान उरई स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अमर सिंह को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद उसने हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। अपील के दौरान उसे अस्थायी राहत देते हुए जमानत मिल गई थी और वह लंबे समय से बाहर रह रहा था। हाल ही में हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए अमर सिंह की आजीवन कारावास की सजा कायम रखी थी। परिजनों के अनुसार फैसले के बाद से वह बेहद परेशान और तनाव में चल रहा था। उसे गिरफ्तारी और जेल जाने का डर सता रहा था।

मुरादाबाद के पीतल उद्योग के लिए खुशखबरी, ये नया एक्सप्रेस-वे बनेगा गेम चेंजर, कुमाऊं तक सीधी कनेक्टिविटी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। देश-दुनिया में पीतल नगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद के विकास के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। यहां के पीतल से बनने वाली मूर्तियां, अगरबत्ती स्टैंड, ट्रे, बर्तन, घंटियां, फूलदान, दीये और घरेलू सजावट के शानदार सामान सिर्फ देशभर में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया भर में भी सप्लाई किए जाते हैं। मुरादाबाद के सर्वांगीण विकास के लिए बरेली से हल्द्वानी के बीच बनने वाला 'ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे' को जिले से जोड़ा जाएगा। इससे मुरादाबाद के व्यापार को रफ्तार मिलेगी।

मुरादाबाद जिले को बरेली-हल्द्वानी 'ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे' से कनेक्ट करने से यह व्यापारियों के लिए आर्थिक कॉरिडोर' के रूप में उपयोगी साबित होने वाला है। 100

किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन का सीमांकन कार्य शुरू हो गया है, जिससे इलाके के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। मुरादाबाद के पीतल व्यापारियों का कहना है कि उत्तराखंड देवभूमि है और कनेक्टिविटी बढ़ने से वहां के श्रद्धालुओं का आना-जाना बढ़ेगा।

मुरादाबाद से जुड़ेगा एक्सप्रेस-वे

जिसका सीधा फायदा मुरादाबाद के पीतल उद्योग के साथ लकड़ी और एल्यूमीनियम के व्यापार को भी मिलेगा। मुरादाबाद के पीतल निर्यातक सलमान ने कहा कि जिस तरीके से इस नए हाईवे की जानकारी मिली है, उससे साफ है कि सरकार लगातार उद्योग को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। यह व्यापारियों के लिए व्यापार के एक अच्छे कॉरिडोर के रूप में साबित होगा। NHAI की योजना के हिसाब से इस नए एक्सप्रेस-वे को मुरादाबाद-बरेली हाईवे से जोड़ा जाएगा।

पर्यटन स्थलों तक पहुंच होगी आसान

इस रणनीतिक का लाभ यह होगा कि दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर से आने वाले वाहन सीधे इस एक्सप्रेसवे पर चढ़कर, बिना बरेली शहर में फंसे उत्तराखंड की ओर जा सकेंगे। यह इंटर-लिंकिंग उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों को उत्तराखंड के कुमाऊं इलाके से जोड़ने में 'गेम चेंजर' साबित होने वाली है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से नैनीताल, भीमताल, रानीखेत और अल्मोड़ा जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का सफर आसान हो जाएगा।

इससे उत्तराखंड के पर्यटन उद्योग को भी भारी लाभ होगा। दूसरी ओर, मुरादाबाद के पीतल उद्योग, रामपुर के लकड़ी उद्योग, जरी और कृषि उत्पादों को पहाड़ों तक पहुंचने में कम समय लगेगा। मालवाहक वाहनों के लिए यह रास्ता किसी वरदान से कम नहीं है।

महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर मौलाश्री पौधों का पौधारोपण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कटका क्लब सामाजिक संस्था के तत्वावधान में महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर पर्यावरण पार्क में मौलाश्री पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. सौरभ मिश्र विनम्र ने किया।

इस अवसर पर उप प्रभागीय वनाधिकारी अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण आवश्यक है। वहीं जिला परियोजना अधिकारी अभिनंदन प्रताप सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं और प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जयंती पर पौधारोपण समाज को राष्ट्रप्रेम और प्रकृति संरक्षण का सकारात्मक संदेश देता है। वही वहीं डॉ. सौरभ मिश्र विनम्र एवं एडवोकेट राघवेंद्र सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। उनका जीवन संघर्ष, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण की अद्भुत मिसाल है। इस मौके पर ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर एवं रविंद्र प्रकाश सिंह पूर्व प्रधानाचार्य परिषद् जिलाध्यक्ष ने कहा कि महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर पौधे लगाकर संस्था ने समाज को प्रकृति संरक्षण एवं राष्ट्रहित का सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया है। कार्यक्रम के अंत में राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित केशव प्रसाद सिंह ने सभी अतिथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पौध रोपण के दौरान कथा वाचक शनि मिश्र, अनिल सिंह, शादाब, जाहिद, साजिद, जय प्रताप, आकाश, हैप्पी, रवीन्द्र दर्जनों युवा उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के लिए लखनऊ नगर निगम में जागरूकता कार्यक्रम, मंत्री ए.के. शर्मा और महापौर ने की डिजिटल स्व-गणना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जनगणना 2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय, लालबाग स्थित झंडी पार्क में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा तथा लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा किया गया।कार्यक्रम में जनगणना 2027 को सफल बनाने तथा नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर शीतल वर्मा, गौरव कुमार, सुशील तिवारी, ललित कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अरुण कुमार गुप्त और अरविन्द कुमार राव सहित पार्षदगण एवं नगर निगम के अधिकारी

उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान ए.के. शर्मा और महापौर सुषमा खर्कवाल ने स्वयं अपने परिवार की डिजिटल स्व-गणना कर नागरिकों को इस प्रक्रिया में भागीदारी का संदेश दिया। नगर निगम के पार्षदों और अधिकारियों ने भी मौके पर ही स्व-गणना प्रक्रिया पूरी की। उपस्थित लोगों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से डिजिटल स्व-गणना की पूरी जानकारी दी गई तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।ए.के. शर्मा ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश के विकास की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या, आवास, संसाधनों और नागरिक सुविधाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी जनगणना के माध्यम से प्राप्त होती है, जिसके आधार पर विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं। उन्होंने नागरिकों से स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने की अपील की, ताकि पारदर्शी एवं प्रभावी जनगणना सुनिश्चित हो सके।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नगर निगम लखनऊ इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने नागरिकों से समय रहते स्व-गणना प्रक्रिया पूर्ण करने और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।निदेशक जनगणना उत्तर प्रदेश शीतल वर्मा ने बताया कि नागरिक घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से हिंदी सहित विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

जनगणना–2027 की स्व–गणना प्रक्रिया में शामिल हुए पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जनगणना-2027 के अंतर्गत 7 मई से प्रारंभ हुई स्व-गणना प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय, महानगर में लखनऊ के पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने जनगणना विभाग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवश्यक विवरण भरकर प्रपत्र सफलतापूर्वक जमा किया और नागरिकों को भी इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने का संदेश दिया।इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि देश के विकास की आधारशिला है। इसके माध्यम से सरकार को नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक एवं आधारभूत आवश्यकताओं की सही जानकारी प्राप्त होती है, जिसके आधार पर भविष्य की योजनाएं तैयार की जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाए।उन्होंने कहा कि स्व-गणना की सुविधा शुरू होने से अब लोग घर बैठे अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं।

जनगणना प्रक्रिया के प्रथम चरण में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने की ऑनलाइन सहभागिता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास 7, कालिदास मार्ग पर ऑनलाइन माध्यम से जनगणना प्रक्रिया के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश एवं देशवासियों से जनगणना में सक्रिय भागीदारी करने की अपील करते हुए इसे राष्ट्र निर्माण की आधारभूत प्रक्रिया बताया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सटीक आंकड़े ही सशक्त नीतियों का आधार होते हैं और जनगणना के माध्यम से देश की वास्तविक जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा विभिन्न आवश्यकताओं का सही आकलन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे सरकार को योजनाओं के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनगणना केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की महत्वपूर्ण सहभागिता का माध्यम है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे ऑनलाइन जनगणना के प्रथम चरण में बढ़-चढ़कर भाग लें और सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंच सके।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर है और केंद्र तथा राज्य की डबल इंजन सरकार देश एवं प्रदेश को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में जनता का सहयोग विकास को नई गति प्रदान करेगा।

अलीगंज में अधिवक्ता ने खुद को गोली मारकर दी जान, देर रात मची अफरा–तफरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक अधिवक्ता द्वारा खुद को गोली मारकर आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं आसपास के क्षेत्र में भी अफरा-तफरी का माहौल रहा।पुलिस के अनुसार 07 मई 2026 की रात लगभग 10:35 बजे डायल-112 पर सूचना प्राप्त हुई कि थाना अलीगंज क्षेत्र के सेक्टर-जी स्थित एक मकान में अधिवक्ता ने खुद को गोली मार ली है। सूचना शालिनी सिंह द्वारा दी गई, जिन्होंने बताया कि उनके भाई शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयं को गोली मार ली है। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई गई है।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों ने घायल अवस्था में शैलेन्द्र प्रताप सिंह को एंबुलेंस की सहायता से तत्काल ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।बताया जा रहा है कि मृतक पेशे से अधिवक्ता थे और अलीगंज क्षेत्र में परिवार के साथ रहते थे। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

अंसल गोल्फ सिटी में ओपन जिम का उद्घाटन, महापौर ने कहा- स्वस्थ समाज के लिए फिटनेस जरूरी

लखनऊ। सेलेब्रेटी गार्डन, अंसल गोल्फ सिटी में शुक्रवार को सांसद लखनऊ एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रेरणा से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की सीएसआर निधि से स्थापित ओपन जिम का उद्घाटन लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा किया गया।इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के सार्वजनिक स्थलों पर ओपन जिम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों का फिट और जागरूक होना आवश्यक है तथा इस प्रकार की सुविधाएं युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित करेंगी।महापौर ने एचएएल की सीएसआर पहल की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के सहयोग से शहर में जनहित के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

संसद खेल महाकुंभ में बीबीएयू फुटबॉल टीम को स्वर्ण पदक, छात्र शाश्वत सिंह ने भी बढ़ाया मान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की फुटबॉल बॉयज़ टीम ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित संसद खेल महाकुंभ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति राज कुमार मित्तल ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया।इसी क्रम में विश्वविद्यालय के बीबीए (ऑनर्स) के छात्र शाश्वत सिंह ने भी संसद खेल महाकुंभ में स्वर्ण पदक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने ताइक्वांडो सीनियर स्टेट चैंपियनशिप में अंडर-74 किलोग्राम वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा। प्रतियोगिता का आयोजन इंडिया ताइक्वांडो से संबद्ध उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो समिति द्वारा किया गया था।इस अवसर पर खेल-कूद अनुभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर मनोज कुमार डडवाल सहित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कानून व्यवस्था और बंगाल मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का विपक्ष पर हमला

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता सुरक्षा, सुशासन और विकास हैउपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के हालिया आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महिला सुरक्षा के मामले में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि जो विपक्ष पहले कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाता था, उसे अब एनसीआरबी के आंकड़े देखने चाहिए। सरकार ने अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा किया है और महिलाओं एवं बेटियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया

है। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प "सुरक्षा सर्वोपरि" है।पश्चिम बंगाल की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोच्च होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में प्रायोजित हिंसा और दंगों का माहौल बनाया जा रहा है, जबकि जनता अब वास्तविकता समझ चुकी है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के पश्चिम बंगाल दौरे पर भी उपमुख्यमंत्री ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी हार के कारण अखिलेश यादव मानसिक रूप से विचलित हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद अब वे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक माहौल प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हार की निराशा अलग विषय है, लेकिन अराजक तत्वों के साथ मिलकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास निंदनीय है।

इकाना स्टेडियम के बाहर फर्जी आईपीएल टिकट बेचने वाला अंतर्राज्यीय गिरोह गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच के दौरान फर्जी टिकट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का साइबर सेल और सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ निवासी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से फर्जी टिकट, लैपटॉप, मोबाइल फोन, बैंकिंग दस्तावेज, वाहन और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। आरोपी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक और डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर की मदद से असली जैसे दिखने वाले नकली टिकट तैयार कर ऊंचे दामों पर बेचते थे।पुलिस के अनुसार 07 मई 2026 को प्रदीप सिंह निवासी जालौन आईपीएल मैच देखने के लिए इकाना स्टेडियम पहुंचे थे। स्टेडियम के बाहर कुछ युवकों ने उन्हें टिकट बेचने की बात कही। प्रदीप सिंह ने दो टिकट खरीदकर निर्धारित डिजिटल भुगतान माध्यम से एक हजार रुपये का भुगतान किया। जब वह टिकट लेकर स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर पहुंचे तो जांच के दौरान टिकट नकली पाए गए। इसके बाद उन्होंने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में शिकायत दर्ज कराई।मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने दोदनखेड़ा चौराहे के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रीकान्त बोरकर, नूतन कुमार साहू, राजेन्द्र चौधरी और विश्वजीत साहू के रूप में हुई है। सभी आरोपी छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जनपद के निवासी हैं।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि आर्थिक तंगी और अधिक पैसा कमाने के उद्देश्य से उन्होंने फर्जी आईपीएल टिकट तैयार करने की योजना बनाई थी। गिरोह में शामिल विश्वजीत साहू डिजाइनिंग का काम करता था और उसने सोशल मीडिया मंचों से असली टिकटों की तस्वीरें डाउनलोड कर डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से टिकट तैयार किए। आरोपियों ने स्वीकार किया कि टिकटों की बनावट, आकार और कागज की गुणवत्ता को असली जैसा दिखाने के लिए उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद तकनीक का भी इस्तेमाल किया।आरोपियों ने बताया कि इससे पहले वे दिल्ली स्थित अरुण जेटली स्टेडियम में भी नकली टिकट बेचने पहुंचे थे, लेकिन वहां टिकटों की गुणवत्ता खराब होने और बारकोड मेल न खाने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने टिकटों में सुधार किया और 06 मई को लखनऊ पहुंचकर होटल में रुके। अगले दिन इकाना स्टेडियम के बाहर लोगों को कम कीमत का लालच देकर फर्जी टिकट बेचे गए।

राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर 27 मई को हो सकता है फैसला, आय से अधिक संपत्ति को लेकर पत्रावली सील

लखनऊ। रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में सुनवाई टल गई। याचिकाकर्ता कर्नाटक के भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर सुरक्षा कारणों के चलते कोर्ट नहीं पहुंच सके। अब मामले की सुनवाई 27 मई को होने की संभावना है। याचिका में राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत जांच की मांग की गई है। पहले एमपी-एमएलए कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति मामले में दायर याचिका की फाइल को सील कर सुरक्षित रखने का आदेश दिया है।

सड़क पार कराने के बहाने वृद्ध महिला से चेन लूटने वाला शातिर गिरफ्तार, घटना के बाद बिहार और दिल्ली भाग गया था आरोपी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला को सड़क पार कराने के बहाने गले से चेन लूटने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटी गई चेन और मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी घटना के बाद पुलिस से बचने के लिए बिहार और दिल्ली भाग गया था, लेकिन लगातार सुरागरसी और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने उसे दबोच लिया।पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को उर्मिला श्रीवास्तव निवासी सेक्टर-12 राजाजीपुरम ने थाना तालकटोरा में तहरीर देकर बताया था कि मोहन भोग चौराहा क्षेत्र में एक युवक ने वृद्ध महिला को सड़क पार कराने के नाम पर अपने झांसे में लिया और मौका पाकर उनके गले से चेन छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद

इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। प्रभारी निरीक्षक तालकटोरा के नेतृत्व में गठित टीमों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिरों की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। कई दिनों की लगातार मेहनत और तकनीकी जांच के बाद पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले।07 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी सुमित गुप्ता उर्फ कृष्णकान्त को ग्रीन बेल्ट पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लूटी गई पीली धातु की चेन, जिसका वजन लगभग 6.940 ग्राम बताया गया है, तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह राह चलते अकेली महिलाओं और बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाता था। पहले वह मदद करने के बहाने विश्वास जीतता और फिर मौका मिलते ही चेन छीनकर भाग जाता था। आरोपी ने बताया कि वारदात के बाद वह बिहार और दिल्ली चला गया था ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके। कुछ दिनों बाद वह वापस लखनऊ आया और लूटी गई चेन बेचने की तैयारी कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी बाजारखाला क्षेत्र का रहने वाला है और उसकी उम्र करीब 28 वर्ष बताई गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है। वर्ष 2019 में अमीनाबाद थाने में उसके विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। घटना का खुलासा करने वाली तालकटोरा पुलिस टीम की अधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बुजुर्गों को निशाना बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर "मानवता में एकता" का संदेश, 50 टीबी मरीजों को वितरित की गई पोषण किट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रेड क्रॉस भवन, कैसरबाग में विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन "मानवता में एकता" थीम के अंतर्गत उत्साह एवं मानव सेवा की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में करुणा, एकता, स्वैच्छिक सेवा तथा मानवीय कार्यों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ रेड क्रॉस आंदोलन के संस्थापक सर हेनरी ड्यूनेंट के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। वक्ताओं ने कहा कि युद्ध पीड़ितों की पीड़ा को देखकर सर हेनरी ड्यूनेंट के मन में मानव सेवा का जो भाव उत्पन्न हुआ, उसी से अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना हुई, जो आज निस्वार्थ एवं निष्पक्ष मानव सेवा का प्रतीक बन चुका है।कार्यक्रम में वक्ताओं ने "मानवता में एकता" विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है और मानव सेवा सबसे बड़ा कर्तव्य। रेड क्रॉस संस्था आपदा राहत, रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण तथा जरूरतमंद वर्गों की सहायता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।अनुराग मिश्रा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं, चिकित्सीय आपात स्थितियों एवं सामाजिक संकटों के समय रेड क्रॉस सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने युवाओं एवं स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।नवीन गुप्ता ने संस्था की विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि रेड क्रॉस रक्त बैंक, स्वास्थ्य शिविर, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण एवं राहत कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की निरंतर सेवा कर रहा है।आलोक सक्सेना ने कहा कि "मानवता में एकता" की थीम समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर सामूहिक रूप से मानव कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है।ओ. पी. पाठक ने रेड क्रॉस आंदोलन के इतिहास एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था की स्थापना बिना किसी जाति, धर्म एवं राष्ट्रीयता के भेदभाव के पीड़ित मानवता की सहायता के लिए की गई थी।ऋतुराज ने युवाओं से रेड क्रॉस गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया तथा सामुदायिक जागरूकता एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता पर बल दिया।अमरनाथ मिश्रा ने संस्था की बढ़ती जनसेवा गतिविधियों और प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार दुर्घटनाओं एवं आपात स्थितियों में अनेक लोगों का जीवन बचा सकता है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, उद्योगों एवं स्वयंसेवकों के बीच लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस की भविष्य की योजनाओं में रक्तदान जागरूकता अभियान को मजबूत करना, स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का विस्तार, युवाओं एवं स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाना तथा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करना शामिल है।कार्यक्रम के दौरान भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा 50 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट वितरित की गई। जिला क्षय रोग अधिकारी अतुल कुमार सिंघल ने टीबी रोग के लक्षण, बचाव, उपचार एवं पौष्टिक आहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर रेड क्रॉस सदस्यों, स्वयंसेवकों, स्वास्थ्य अधिकारियों, टीबी मरीजों एवं गणमान्य नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही।

बसों के पहिए जाम दौड़ रहा खर्च का मीटर, मेडिकल कॉलेज में रैगिंग

लखनऊ। हम आपके लिए उत्तर प्रदेश से जुड़ी दिनभर की सभी प्रमुख और अहम खबरों का संक्षिप्त, लेकिन प्रभावी सार लेकर आए हैं। हालांकि 'पूरी खबर पढ़ें' पर क्लिक करके आप उस खबर को विस्तृत रूप में पढ़ सकते हैं। यहां प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक की घटनाओं के बारे में तथ्यात्मक और सटीक जानकारी आपको मिलेगी। राज्य में क्या बदला? कहां क्या हुआ? कौन-सी खबरें सुर्खियां बनीं? सब कुछ एक ही जगह पर पढ़ सकते हैं। तो आइए, आज की उत्तर प्रदेश की बड़ी खबरों पर विस्तार से नजर डालते हैं। बड़ौत डिपो में यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए एक वर्ष पहले खरीदी गईं 85 बसों में से 30 बसें डिपो में खड़ी धूल फांक रहीं हैं। चालक-परिचालकों की कमी के कारण करीब साढ़े दस करोड़ रुपये कीमत की ये बसें अभी तक सड़क पर नहीं उतर सकी हैं। विभाग इन बसों पर हर महीने करीब सवा दो लाख रुपये टैक्स भी जमा कर रहा है।

नाबालिग को बहला–फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। करीब सात महीने से फरार चल रहे नामजद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को किसान पथ स्थित अमोल अंडरपास के पास से दबोचा गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार 28 अक्टूबर 2025 को थाना पीजीआई क्षेत्र के अमोल कल्ली पश्चिम निवासी एक व्यक्ति ने लिखित तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री को गांव का ही युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पीजीआई में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया

था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। विभिन्न संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ-साथ मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस टीम क्षेत्र में वांछित अपराधियों की तलाश और सुरागरसी में लगी हुई थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में नामजद आरोपी सुभाष रावत अमोल अंडरपास के पास किसान पथ क्षेत्र में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और घेराबंदी कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुभाष रावत पुत्र सज्जन उर्फ सदनू उर्फ साजन निवासी ग्राम अमोल कल्ली पश्चिम थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 26 वर्ष बताई गई है।

सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश 2026

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं बल्कि ये देश की राजनैतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल पर अपना निर्णय सुना रहा है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनैतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि 'भगवा' राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनैतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनैतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी 'परिवर्तन की आंधी' का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनैतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए 'महाभूकंप' को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दर्शाता है कि बंगाल की जनता 'सिंडिकेट राज' और 'कट मनी' की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने 'बंगाली अस्मिता' के साथ 'राष्ट्रीय विकास' के समन्वय को स्वीकार किया है। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'जल जीवन मिशन' जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया 'लाभार्थी वर्ग' तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है।

असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की 'हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन ने राजनैतिक भूगोल को इस तरह बदला कि घुसपैठ और बाहरी प्रभाव की राजनीति हाशिए पर चली गई और 'असमिया राष्ट्रवाद' का नया स्वरूप उभरकर सामने आया। 'ओरुनोडोई' जैसी योजनाओं ने महिला मतदाताओं के बीच भाजपा को एक ऐसे रक्षक के रूप में स्थापित कर दिया है, जिसके पास उनके दैनिक जीवन की समस्याओं का ठोस समाधान है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि पूर्वोत्तर में भाजपा अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक स्थायी शक्ति बन चुकी है। दक्षिण भारत के राजनैतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनैतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनैतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया।

स्मार्ट, संवहनीय, बेजोड़: टेक्निकल टेक्सटाइल इस तरह बुन रहे हैं फुटवियर में भारत का भविष्य

देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया

गिरिराज सिंह

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने वाले एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है।

यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है। इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है-तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया। उन सब ने इन्हें सिर्फ ऐसे बेहतर आदानों के रूप में देखा जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक ज़रूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाला: फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो।

उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर नॉन-लेदर (गैर-चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है।

देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे-जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद आराम और बेहतर प्रदर्शन होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। स्मार्ट फुटवियर तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं। यह रुझान व्यापक रूप से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। वर्ष 2025 में, भारत में 28.9 मिलियन स्मार्टवॉच की बिक्री दर्ज की गई, जिससे 780 मिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उन उत्पादों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है जो दैनिक उपयोग के साथ-साथ आज के समय के अनुरूप भी हों। स्नीकर (हलके रबड़ के जूते) श्रेणी के जूते इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। अनुमान है कि यह वर्ष 2024 के 3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जायेंगे, जिसमें इसकी मात्रा 55 मिलियन जोड़ी से बढ़कर 70 मिलियन जोड़ी हो जाएगी। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो आरामदायक हों और देखने में भी सुन्दर हों और यहीं पर तकनीकी वस्त्र एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। ₹पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और बायोडिग्रेडेबल फाइबर जैसे पदार्थ धीरे-धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। भारत के लिए, यह न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में खुद को संवहनीय सामग्री के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने का एक रणनीतिक अवसर भी है। इसी तरह, निर्बाध विनिर्माण की दिशा में बढ़ते कदम भी परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं। इस बदलाव को और भी मज़बूत बनाने वाली बात है भारत के मौजूदा इकोसिस्टम का पैमाना। फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैं; इस वजह से यह समावेशी रोज़गार का एक बड़ा ज़रिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मज़दूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं। आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। टेक्निकल टेक्सटाइल की ओर यह बदलाव किसी नए उद्योग को खड़ा करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक मौजूदा उद्योग की पूरी क्षमता को उजागर करने के बारे में है। आगरा की यात्रा और दिल्ली में हुई चर्चाओं से एक सरल लेकिन प्रभावशाली अंतर्दृष्टि सामने आई—फुटवियर में टेक्निकल टेक्सटाइल कोई उभरती हुई अवधारणा नहीं है।

टिप्पणी

जन कल्याण का रास्ता टिकाऊ नहीं

भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद सरकारें नकदी हस्तांतरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं।

बृहत-मुंबई महानगर पालिका के रिटायर शिक्षक का पेंशन भुगतान ना होने के बचाव में सरकार ने खजाने में पैसा ना होने का तर्क दिया। तो उससे नाराज बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार के पास अपने रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए पैसा नहीं है, तो उसे लड़की बहन योजना रोक देनी चाहिए। इस योजना के तहत राज्य की डेढ़ करोड़ महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाते हैं। खुद राज्य के मंत्री ऐसे बयान दे चुके हैं कि इस योजना से राजकोष पर पड़े भारी बोझ के कारण तमाम विभागों के बजट प्रभावित हुए हैं। इस बीच हरियाणा में अस्पतालों के संघ ने संबंधित अधिकारी को पत्र लिख कर कहा है कि 20 अप्रैल तक उनके बकाये का भुगतान नहीं हुआ, तो वे आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को भर्ती करना बंद कर देंगे।

पत्र में ध्यान दिलाया गया है कि अस्पतालों का 400 करोड़ रुपये से अधिक बकाया सरकार पर है। आयुष्मान भारत के बारे में ऐसी शिकायतें कई अन्य राज्यों से भी आई हैं। ये खबरें बताती हैं कि भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें नकदी हस्तांतरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं। और ऐसा होना अस्वाभाविक नहीं है। यह मूलभूत सिद्धांत है कि कोई अर्थव्यवस्था उत्पादक निवेश और पूंजी निर्माण पर टिकी नहीं है, तो वह उपभोग उन्मुख जन कल्याण को सुनिश्चित नहीं कर सकती।

ऋण लेना अपने आप में समस्या नहीं है, बशर्ते उसका उपयोग उत्पादन बढ़ाने या टिकाऊ संपत्ति खड़ी करने में हो रहा हो। इन दोनों प्रक्रियाओं से मांग पैदा होती है, जिससे स्वतः उपभोग बढ़ता है। इस क्रम में सरकार का कर राजस्व बढ़ता है, जिससे वह टिकाऊ जन-कल्याण योजनाओं को चलाने की बेहतर स्थिति में होती है। मगर अपने यहां उलटी राह चुनी गई है। इस बीच चुनावी राजनीति में वोट खरीदने की बढ़ी प्रवृत्ति ने स्थिति ओर बिगाड़ दी है। उसका परिणाम महाराष्ट्र और हरियाणा जैसी स्थितियां हैं।

ब्लॉग

संभल जाऐं, बच्चों के भाषा विकास में मोबाइल न बन जाऐ बाधक

डॉ मनोज कुमार तिवारी

2007 में स्मार्टफोन आया व लोगों के रोजमर्रा की जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह बच्चों के भाषा विकास को प्रभावित करता है। माता-पिता अपने बच्चों की उपस्थिति में स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं तो उनका ध्यान फोन पर ही केंद्रित होता है। जिसके कारण माता-पिता और बच्चों के बीच बातचीत में बाधा उत्पन्न होती है। माता-पिता की स्क्रीन आदतें बच्चों के भाषा सीखने में 16त्न तक की कमी ला सकती हैं। शिशु अवस्था व बचपनावस्था मूलभूत भाषा कौशल सीखने के लिए महत्वपूर्ण समय होता है। छोटे बच्चे अपने माता-पिता से ही नहीं बल्कि अपने आसपास के लोगों से, खिलौनों से व किताबों सिखते हैं। स्क्रिन वन-वे कम्युनिकेशन है। 0-2 वर्ष तक स्क्रीन टाइम शून्य और 2-5 वर्ष तक अधिकतम 1 घंटा होना चाहिए।

बच्चों के भाषा विकास पर मोबाइल के उपयोग का नकारात्मक प्रभाव पडता है। जैसे- सुनने में देरी, बोलने में देरी, ध्यान की कमी, शब्दावली में कमी व संवाद कौशल कमजोर होना। स्क्रीन टाइम अधिक होने के कारण बच्चों का माता -पिता व अन्य के साथ बातचीत कम होती है, जो भाषा विकास में बाधा डालती है। स्क्रीन वातावरण में सीखी गई जानकारी को वास्तविक दुनिया में उपयोग करना बच्चों के लिए बेहद मुश्किल होता है, क्योंकि उनमें यह क्षमता लगभग तीन साल की उम्र में विकसित नहीं होती। इससे कम उम्र के बच्चों में एक संदर्भ से दूसरे संदर्भ में सीखने को स्थानांतरित करने की क्षमता की कमी होती है।

भाषा विकास में मोबाइल का नकारात्मक प्रभावः-

बोलने में देरीः- स्क्रीन समय का अधिक होना (प्रतिदिन 1 घंटे से अधिक) बच्चों में भाषा के खराब विकास, अभिव्यक्ति व भाषा कौशल में कठिनाई उत्पन्न करता है। बच्चे देर से बोलना शुरू करते हैं।

संवाद में कमीः- जब बच्चे स्क्रीन पर अधिक लगे रहते हैं, तो वे वयस्कों से कम बातचीत करते हैं और भाषा का आदान-प्रदान कम होता है जो भाषा सीखने के लिए आवश्यक है।

माता-पिता से जुड़ाव में कमी :- माता-पिता द्वारा फोन का उपयोग करने से बच्चों के साथ उनकी बातचीत कम होती है, जिससे बच्चों का भाषा विकास प्रभावित होता है। माता-पिता से सांवेगिक लगाव कम होता है जो आगे चलकर भाषा विकास को प्रभावित करता है

तकनीकी हस्तक्षेपः- अधिक

स्क्रीन समय माता-पिता और बच्चों के बीच की बातचीत को बाधित करता है, जिससे छोटे बच्चों के भाषा विकास पर असर पड़ता है स्मार्टफोन के उपयोग से माता-पिता की प्रतिक्रियाशीलता कम हो जाती है, जिससे मौखिक व गैर-मौखिक बातचीत में बाधा आती है।

ध्यान केंद्रित करने में कमीः-

स्क्रीन की लत के कारण बच्चे बोरियत महसूस करते हैं और लोगों से बातचीत करने में रुचि नहीं लेते, जिससे संवाद कौशल विकसित नहीं होता है। मीडिया में अनेक ऐसे तत्व होते हैं जो शैक्षिक सामग्री से बच्चों का ध्यान भटकाते हैं, सीखने की क्षमता को कम करते हैं।

शब्दों सीखने में देरीः-

शोध बताते हैं कि हर 30 मिनट का मोबाइल स्क्रीन टाइम बच्चों में स्पीच डिले का जोखिम 49त्न तक बढ़ाता है। बच्चे शब्दों को देर से सीखते हैं और बोलते हैं।

भाषा समझने में कठिनाईः- प्रतिदिन 2 घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में भाषा को समझने व अभिव्यक्त करने की क्षमता कम होती है।

सीखने में बाधाः- मोबाइल चलाना व वीडियो देखना, बच्चों की सामाजिक और संज्ञानात्मक समझ को कम करता है क्योंकि वे सक्रिय बातचीत नहीं करते हैं। उनके नए कौशलों के सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होता है।

कमजोर संज्ञानात्मक कौशलः- स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से बच्चों के सोचने, समझने, समस्या समाधान के कौशल और याद रखने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ता है।

भाषा विकास के उपायः-

बातचीत करें:- बच्चा जब छोटा हो (शिशु अवस्था) तभी से उससे बातें करना शुरू करें। दिनचर्या के कार्यों (नहलाना, खिलाना व अन्य) के बारे में बोलकर बताएं।

जोर जोर से पढ़कर सुनाएं:- रोजाना चित्र वाली किताबें पढ़कर बच्चे को सुनाऐ। तस्वीरों को उंगली से दिखाकर उनके नाम बताएं।

सुने व प्रतिक्रिया दें:- जब बच्चा बड़बड़ाए या तुतलाकर कुछ बोले, तो उसे ध्यान से सुनें और जवाब दें। इससे उन्हें बोलने के लिये प्रोत्साहन मिलेगा।

खुला प्रश्न पूछें:- ₹हां₹ या ₹ना₹ वाले प्रश्नों के बजाय, उनसे ऐसे सवाल करें जिनका उत्तर लंबा हो, जैसे- ₹आज स्कूल में क्या मज़ेदार हुआ?₹।

कविताएं पढ़ें:- बच्चों के साथ गाने गाएं व तुकबंदी वाली कविताएं पढ़ें। यह नए शब्द और लय सीखने में मदद करता है।

चीजों का नाम बताएं:- घर में या बाहर घूमते समय वस्तुओं, रंगों और क्रियाओं के नाम दोहराएं।

इशारों का उपयोगः- बोलते समय हाथों के इशारों और हाव-भाव का प्रयोग करें इससे बच्चों को बात को समझना आसान होता है।

दुहराऐं नहीं:- यदि बच्चा किसी शब्द का गलत उच्चारण करता है या तुतला कर बोलता है तो अभिभावक उसे दोहराऐं नहीं इससे गलत उच्चारण और मजबूत होता है बल्कि बार-बार उस शब्द का सही उच्चारण बच्चों के सामने करें ताकि वे सही उच्चारण सीख सके।

माता-पिता के लिए सुझावः-

स्क्रीन टाइम सीमित करें:- 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का स्क्रीन समय प्रतिदिन 1 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन समय शून्य रखें।

आमने-सामने बातचीतः- मोबाइल की जगह बच्चों से बातें करें, कहानियाँ सुनाएं और उनके साथ खेलें। बच्चे स्क्रीन से नहीं, इंसान से संवाद करके भाषा सीखते हैं।

तकनीकी हस्तक्षेप से बचें:- बच्चे के साथ रहने के दौरान फोन का इस्तेमाल कम से कम करें क्योंकि मोबाइल के कारण 16त्न तक कम बातचीत होती है।

खाना खाते समय फोन न चलाऐं:- भोजन करते समय फोन का इस्तेमाल न करें, यह बच्चों के साथ जुड़ने का महत्वपूर्ण समय है।

सोने से पहले स्क्रीन बंदः- सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल बंद कर दें, क्योंकि इसकी नीली रोशनी नींद में बाधा डालती है।

डिजिटल डिटॉक्सः- घर में कुछ स्थान जैसे बेडरूम, पूजा घर, अध्ययन कक्ष व डाइनिंग टेबल को फोन-फ्री जोन बनाएं।

मोबाइल ब्रत- प्रतिदिन कुछ घंटे तथा सप्ताह में एक दिन मोबाइल न चलाने का नियम बनाएं तथा घर के सभी सदस्य इसका पालन करें।

शिक्षकों के लिए सुझावः-

डिजिटल साक्षरताः- बच्चों को तकनीक के उपभोक्ता के बजाय निर्माता बनना सिखाएं (जैसे- कोडिंग, डिजिटल स्टोरीटेलिंग)।

फोन-मुक्त क्षेत्रः- कक्षा में फोन-मुक्त क्षेत्र या समय निर्धारित करें जैसे- लंच या ग्रुप डिस्कशन के दौरान।

अभिभावकों से संबादः- माता-पिता को स्क्रीन समय और भाषा के बीच संबंधों के बारे में शिक्षित करें।

सामग्री का चयनः- यदि स्क्रीन का उपयोग किया जा रहा है, तो ऐसी सामग्री चुनें जो संवादात्मक हो (जैसे शैक्षिक ऐप), न कि केवल निष्क्रिय देखने वाली।

शैक्षिक सामाग्री की सीमाः- एजुकेशनल वीडियो भी भाषा विकास का विकल्प नहीं हैं, परस्पर बातचीत ही बच्चों के भाषा विकास के लिये सर्वश्रेष्ठ होता है।

संवादपूर्ण खेल, सामाजिक जुड़ाव व सोच-समझकर मीडिया के उपयोग को संयोजित करके एक संतुलित वातावरण विकसित करना बच्चों के सर्वोत्तम भाषा विकास में सबसे अच्छा सहयोग देता है। माता-पिता, भाई-बहन परिवार के सदस्यों, पड़ोसी एवं शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से बच्चों के भाषा विकास को सर्वोत्तम दिशा एवं गति प्रदान किया जा सकता है।

लेखक वरिष्ठ परामर्शदाता एआरटीसी, एसएस हॉस्पिटल, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी हैं।

ऑडी, कोठी और लग्जरी शौक... रिटायर्ड आईआरएस के बेटे ने बनाया गैंग, लखनऊ में कैसे की करोड़ों की चोरी?

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश की लखनऊ और बाराबंकी पुलिस ने करीब 10 करोड़ रुपये की ज्वेलरी और कैश चोरी कांड का खुलासा करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी हाई प्रोफ़ाइल चोर हैं। इनके पास ऑडी कार भी है। ये सभी पॉश इलाकों के विला और अपार्टमेंट्स में रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, एलीट सर्कल में आरोपियों का उठना-बैठना है। गैंग का सरगना रिटायर्ड IRS अधिकारी का बेटा है।

इस गैंग का खुलासा एक हाईप्रोफाइल चोरी की घटना से हुआ। यह चोरी लखनऊ की हाई सिक्योरिटी टाउनशिप शालीमार पैरेडाइज़ स्थित एक लग्जरी विला में हुई थी। करीब 90 फीसदी चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद

बाराबंकी जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों में प्रयागराज के दारागंज निवासी आकाश सिंह उर्फ यश, आजमगढ़ निवासी पृथ्वी प्रताप सिंह, प्रयागराज के जॉर्ज टाउन निवासी ऋत्विक यादव, झूंसी निवासी अनुराग कथूरिया और कोतवाली क्षेत्र निवासी ऋषि सोनी उर्फ चंदन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक वारदात में इस्तेमाल की गई ऑडी कार आकाश सिंह की थी, जो एक रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी का बेटा बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 57 पीस ज्वेलरी, करीब 14। 85 लाख रुपये नकद, ऑडी कार और एक लाइसेंसी रिवॉल्वर बरामद किया है।

क्या बोले अधिकारी?

बाराबंकी के एसपी अर्पित विजयवर्गीय के मुताबिक, ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने 30 अप्रैल को चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 19 अप्रैल को परिवार के साथ बाहर जाने से पहले विला बंद कर दिया था। लौटने पर करीब 10 करोड़ रुपये की ज्वेलरी गायब मिली। जांच में सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि आकाश सिंह ने पहले पड़ोस के विला में रहकर इलाके की रेकी की थी। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दूसरी मंजिल की बालकनी से घर में प्रवेश किया और चोरी को अंजाम दिया।

प्रयागराज में छिपाया गया चोरी का सामान

पुलिस के अनुसार चोरी के बाद आरोपी ऑडी कार से प्रयागराज पहुंचे और ज्वेलरी को अनुराग कथूरिया के घर में छिपाया। बाद में कुछ ज्वेलरी ऋत्विक यादव और ऋषि सोनी के जरिए बेची गई। जांच में यह भी सामने आया कि चोरी से मिले पैसे बैंक खातों और ऑनलाइन ट्रेडिंग वॉलेट में लगाए गए थे। पुलिस ने करीब 14 लाख रुपये की ऑनलाइन ट्रेडिंग से जुड़ी रकम फ्रीज कर दी है।

ऑनलाइन बेटिंग में करोड़ों गंवाने के बाद बना गैंग

पुलिस जांच में सामने आया कि आकाश सिंह ऑनलाइन बेटिंग और सट्टा ट्रेडिंग में करोड़ों रुपये गंवा चुका था। उसने अपना मकान करीब 3 करोड़ रुपये में बेचने का सौदा किया था और डेढ़ करोड़ रुपये एडवांस मिले थे, लेकिन वह रकम भी ऑनलाइन सट्टेबाजी में हार गया। इसके बाद बढ़ते कर्ज और आर्थिक दबाव के चलते आरोपियों ने हाई-प्रोफाइल चोरी की योजना बनाई। पुलिस ने मामले का खुलासा करने वाली टीम के लिए 25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है।

मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टरों के साथ रैगिंग का वीडियो वायरल, कॉलेज प्रशासन ने किया इनकार

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से जुड़ा एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर छाया रहा। 58 सेकंड के वीडियो में जूनियर महिला डॉक्टरों के साथ रैगिंग और उत्पीड़न की बात सामने आ रही है। दूसरी तरफ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने ऐसी किसी भी प्रकार की जानकारी और शिकायत मिलने की बात से साफ इन्कार किया है। अमर उजाला इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वीडियो में कुछ छात्राएं दिखाई दे रही हैं। कथित तौर पर जूनियर डॉक्टरों के साथ मारपीट व मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। वायरल वीडियो में दो सीनियर छात्राएं और कई जूनियर छात्राएं नजर आ रही हैं। वीडियो बनाने वाली छात्रा का चेहरा दिखाई नहीं देता लेकिन उसकी आवाज साफ सुनाई पड़ती है। वह कहती है कि उसने यह वीडियो इसलिए बनाया है ताकि उसके पास इस बात का सबूत रहे कि उसके साथ मारपीट की गई है। वीडियो में सामने खड़ी दो छात्राएं भी मोबाइल से रिकॉर्डिंग करती दिखाई देती हैं। वीडियो में कुछ दूरी पर करीब 11 जूनियर छात्राएं सिर झुकाकर खड़ी नजर आती हैं। वीडियो के साथ वायरल किए जा रहे दावों में आरोप लगाया गया है कि मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टरों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। आरोप है कि रात में उनके मोबाइल फोन छीन लिए जाते हैं ताकि वे किसी से शिकायत न कर सकें।

यह भी दावा किया गया है कि छात्राओं के साथ मारपीट की जाती है और विरोध करने पर उन्हें धमकाया जाता है। कथित तौर पर दावा किया गया है कि एक जूनियर छात्रा के साथ मारपीट की गई। इसके बाद उसने चोरी छिपे यह वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन और एंटी रैगिंग व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

फर्स्ट ईयर बैच की परीक्षाएं तीन मई को ही समाप्त हुई हैं। ऐसे में रैगिंग जैसी बात बेबुनियाद है। वीडियो में सीनियर अपने जूनियर को फाइल तैयार करने के लिए कह रहे हैं। किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। मैंने वार्डन से रिपोर्ट मांगी है।

– डॉ. वीके पांडेय, प्राचार्य, मोती लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज

पहले भी मिल चुकी हैं रैगिंग की शिकायतें

2024 में भी कॉलेज हॉस्टल में रैगिंग और अभद्रता की शिकायत के बाद चार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्हें हॉस्टल से बाहर किया गया और कमरों पर ताला लगाया गया था। इससे पहले 2018 में भी प्रथम वर्ष के छात्रों के सिर मुंडवाने, लाइन में चलाने और मारपीट जैसे आरोप सामने आए थे, जिसके बाद प्रशासनिक जांच कराई गई थी। भारत में रैगिंग कानूनन अपराध है। मेडिकल कॉलेजों में एंटी-रैगिंग कमेटी, हेल्पलाइन और शिकायत प्रणाली अनिवार्य होती है। किसी भी छात्र को ऐसी स्थिति में कॉलेज प्रशासन, विश्वविद्यालय या राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए।

चकबन्दी के राजस्व निरीक्षक पर घूसखोरी का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। एसओ सी का ढाई दशक पूर्व आदेशों को लपरी चकबंदी विभाग द्वारा रद्दी की टोकरी में फेंक दिया गया है। लपरी चकबंदी विभाग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अब तक 156 बार दौड़ लगाते हुए लपरी गांव निवासी दलित नेबूलाल सोनकर ने हार नहीं मानी उसने अपनी चक संख्या 346 छः बिस्वा जमीन पर अब तक चकबंदी अधिकारी एस ओ सी के 18.6.1998 के फैसले का अनुपालन न किये जाने पर जिलाधिकारी को शिकायती आवेदन पत्र देकर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि उक्त गांव निवासी नेबूलाल सोनकर की छ बिस्वा रोड़ की बहुमूल्य जमीन पर कुछ भू.माफिया ने चकबंदी विभाग की माया से कूट रचित रुप से अपने नाम दर्ज करा लिया था जिसे बाद में बंन्दोबस्त अधिकारी ने 18.06.1998 में चकबंदी विभाग द्वारा फर्ज तौर पर हूं माफियाओं के नाम को रद्द करते हुए चकबंदी अधिकारी लपरी को पुनः नेबूलाल सोनकर पुत्र स्व मुंशी सोनकर के नाम बतौर अमलदरामद यदाखिल खारीजद्ध करने का आदेश दिया लेकिन आज तक चकबंदी विभाग द्वारा अपने उच्च अदालत के फैसले का अनुपालन नहीं किया। दलित नेबूलाल सोनकर ने चकबंदी विभाग लपरी के अधिकारीध्कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाया है कि उच्चाधिकारियोंध् अदालती फैसले को अपने नाम अमलदरामद दाखिल खारिज के लिए अट्ठारह हजार रुपए चढ़ावा चढ़ाया जो राज्स्व निरीक्षक ज्ञानानंद तिवारी ने अपने खास अजीत सिंह पुत्र ओमप्रकाश सिंह के बैंक खाते में इसी वर्ष 27जनवरी को मंगाया और कहा कि एक सप्ताह बाद आना तुम्हारे नाम का खतौनी नकल दें देंगे। लेकिन उसके बाद भी अदालती फैसले का अनुपालन नहीं किया और चढ़ावा के रूप में फिर से तीस हजार रुपए की डीमांड कर दिया।

जानवर को बचाने में 3 लोगों की मौत, गोरखपुर में डिवाइडर से टकराई कार... बहन की शादी से लौट रहा था परिवार

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में जानवर को बचाने की कोशिश में बोलेरो गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना गुरुवार देर रात लगभग 12:00 बजे की बताई जा रही है। घटना गोरखपुर के गगहा थाना क्षेत्र के मझगांवा फ्लाईओवर से पहले संस्कृत पाठशाला ढरसी के पास हुई है। बोलेरो गाड़ी की डिवाइडर से टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गगहा भिजवाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं हादसे में मौके पर ही तीन लोगों

की मौत हो गई थी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने उनके शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है। मृतक और घायल सभी एक ही परिवार के रिश्तेदार हैं। वे पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। कौड़ीराम ब्लॉक के कोठा गांव निवासी शिवम त्रिपाठी की बहन की शादी बुधवार को हुई थी।

गुरुवार को कौड़ीराम के हरिखोरा स्थित ननिहाल में पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शिवम त्रिपाठी समेत सात लोग एक ही गाड़ी से हरिखोरा से बड़हलगंज के कोल्हुआ गांव जा रहे थे। इसी दौरान मझगांवा फ्लाईओवर के पास अचानक सड़क पर एक जानवर आ गया। गाड़ी चालक ने जानवर को बचाने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से गाड़ी सीधे डिवाइडर से जा टकराई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में 19 वर्षीय शिवम त्रिपाठी, कोल्हुआ टांडा निवासी संजय तिवारी की 18 वर्षीय पुत्री उन्नति तिवारी और 65 वर्षीय विजय नारायण तिवारी की मौत हो गई। वहीं नर्मदा देवी, शशांक पांडे, अनिल त्रिपाठी और साधना तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

भारत और ईरान का रिश्ता और बनाने की जरूरत : इलाही

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर के शिया कॉलेज में आयोजित मजलिस ने इंसानियत का बड़ा संदेश दिया। गुरुवार की रात ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनई की मजलिस में उस समय विशेष महत्व जुड़ गयाए जब ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनई के प्रतिनिधि आयतुल्लाह डॉ0 हकीम इलाही ने शिरकत कर संबोधित किया। इलाही ने कहा कि यहां की तहजीबए इल्म की परंपरा और गंगा.जमुनी संस्कृति पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है ।उन्होंने भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिकए शैक्षिक और सामाजिक रिश्ते बहुत गहरे हैं। हमारी कोशिश है कि यह रिश्ता और मजबूत होए ताकि दुनिया को यह संदेश जाए कि अलग.अलग मजहब और मुल्क होने के बावजूद इंसानियत सबसे ऊपर है।ईरान और हिंदुस्तान का रिश्ता किसी एक दौर का मोहताज नहीं हैए बल्कि यह सदियों पुराना रिश्ता है जो दिलोंए मोहब्बत और साझा विरासत से जुड़ा हुआ है । जब.जब मुश्किल वक्त आयाए दोनों देशों की अवाम ने एक.दूसरे के लिए हमदर्दी और समर्थन दिखाया है ।उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया जिन हालात से गुजर रही है। उसमें नफरतए टकराव और बंटवारे की सियासत बढ़ रही हैए लेकिन जौनपुर जैसे शहर यह साबित करते हैं कि इंसानियत और भाईचारा अभी भी जिंदा है । यहां हिन्दू और मुसलमान सिर्फ साथ नहीं रहतेए बल्कि एक.दूसरे के दुख.सुख में शरीक होते हैं। यही असली ताकत है किसी भी समाज की ।आयतुल्लाह इलाही ने कहा कि हर धर्म इंसानियतए शांति और मोहब्बत का पैगाम देता है धर्म कभी नफरत नहीं सिखाताए बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ने का काम करता है। अगर हम अपने असल धर्म को समझ लेंए तो दुनिया के कई झगड़े खुद खत्म हो जाएंगे ।मजलिस में महिलाओंए बुजुर्गोंए युवाओं और बच्चों की भारी भीड़ उमड़ी। शिया और सुन्नी समुदाय के साथ.साथ अन्य वर्गों की उपस्थिति ने इसे वास्तविक सामाजिक संगम बना दिय संचालन शायर अनीस जायसी ने किया।

संघर्ष संकल्प दिवस मनाएगे पेंशनर्स

जौनपुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद शाखा की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय पर जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक मे 18 मई को कर्मचारी पेंशनर्स संघर्ष के मसीहा स्व0 वी0यन0 सिंह की सत्ताइसवी पुण्य तिथि को पेंशनर्स संघर्ष संकल्प दिवस के रूप मे पेंशनर्स मनायेगे। वैठक मे संगठन के दस सूत्रीय मांग यथा केंद्र सरकार के कर्मचारी पेंशनर्स के वेतन भत्ता पुनरीक्षण के लिए गठित आठवे बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित किए जाने ,पेंशन राशिकरण की कटौती दस बर्ष करने,पेंशनर्स की पैसठ वर्ष आयु पूर्ण होने पर पांच प्रतिश मूल पेंशन वढाने के साथ क्रमशःअगले प्रत्येक पांच वर्ष पर पांच प्रतिशत मूल पेंशन मे बृध्दी अस्सी वर्ष की आयु पूर्ण करने तक दिये जाने ,आदि दस सूत्रीय मांग की पूर्ति के लिए मा0प्रधान मन्त्री जी एवं माननीय मुख्य मन्त्रीजी को भजे जाने वाली हस्ताक्षर याचिका की समीक्षा की गई।

बदलते मौसम में बच्चों की सेहत का रखें खास ख्याल : डॉ. शोभा

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। बदलते मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना जरूरी होता है 1 तेज धूप-गर्मी के बीच आंधी और बूंदाबांदी से वह डायरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं 1 नगरीय स्वास्थ्य केंद्र रकाबगंज की चिकित्सा अधिकारी डॉ. शोभा सक्सेना ने शुक्रवार को आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम की बैठक के दौरान कहा कि बच्चे को दिन में दो या तीन पानी जैसे पतले दस्त आएं तो तुरंत नजदीकी आशा कार्यकर्ता या स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए। डायरिया नियन्त्रण और रोकथाम के लिए यह बहुत जरूरी है।

उधर टीलिया, अहमदगंज में डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया और केनव्यू के सहयोग से

महिला आरोग्य समिति की बैठक हुई 1 बैठक में नगरीय स्वास्थ्य केंद्र नौलखा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरिदमन सिंह ने कहा कि डायरिया की स्थिति में आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बच्चे को बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं ताकि बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर महिला आरोग्य समिति की सदस्यों ने डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम में पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया।

डायरिया नियंत्रण अभियान के दौरान प्रचार वाहन के जरिए समुदाय को करेंगे जागरूक

दूसरी ओर आगामी 16 जून से चलने वाले डायरिया नियन्त्रण अभियान को लेकर भी एक बैठक हुई1 बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सर्वेश यादव ने कहा कि दस्त नियंत्रण अभियान के दौरान प्रचार वाहन के माध्यम से जनसमुदाय को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 16 जून से 31 जुलाई तक दस्त नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को डायरिया के बारे में जागरूक भी करेंगी। बैठक में पीएसआई इंडिया के सीनियर मैनेजर प्रोग्राम अनिल द्विवेदी, अमरीष पांडे, अनुपम मिश्र आदि मौजूद रहे 1 दूसरी ओर आशा-एएनएम बैठक में एएनएम योगेंद्रवती, सुषमा, अंजना, फरहा, लैब टैक्नीशियन विकल्प, आशा मनोरमा, महिला आरोग्य समिति की अध्यक्ष सुलेखा, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुंबई के बाद बिजनौर में भी तरबूज कांड, एक ही परिवार के 3 लोगों ने खाया फल, बेटी की मौत, माता–पिता की हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के शेरनगर नरैका गांव में तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हालत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में एक 22 साल की युवती ने दम तोड़ दिया, जबकि उसके माता-पिता की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

डॉ. जियाउल रहमान ने बाज़ार से लाया हुआ तरबूज अपनी पत्नी और बेटी मुस्कान के साथ खाया था। तरबूज खाने के कुछ ही देर बाद तीनों को तेज़ बेचैनी, उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। जैसे-जैसे समय बीता, मुस्कान की हालत तेज़ी से बिगड़ने लगी। परिजन उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर दौड़े, लेकिन बदकिस्मती से अस्पताल पहुंचने से पहले ही मुस्कान की मौत हो गई। मुस्कान का निकाह हाल ही में तय हुआ था, जिसके चलते घर में खुशियों का माहौल था, जो अब मातम में बदल गया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची

घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। डॉ। जियाउल रहमान और उनकी पत्नी को बिजनौर केक्षएक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मुस्कान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन पीएम करवाने को राजी नहीं हुए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मौत के असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। फिलहाल, इस बात की आशंका जताई जा रही है कि तरबूज में इस्तेमाल किए गए रसायनों या कीटनाशक (Pesticides) के कारण 'फूड पॉइजनिंग' हुई होगी।

क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे फल खरीदते समय सावधानी बरतें। अक्सर फलों को जल्दी पकाने या लाल दिखाने के लिए खतरनाक रसायनों का छिड़काव किया जाता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फल के सैंपल की भी जांच की जा सकती है।

सावधानी बरतने की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों में तरबूज का सेवन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना अनिवार्य है। तरबूज काटने से पहले उसे कम से कम एक घंटे के लिए पानी में डुबोकर रखें। बहुत अधिक गहरे लाल या इंजेक्शन के निशान वाले तरबूज न खरीदें। यदि फल खाने के बाद घबराहट या पेट में मरोड़ महसूस हो, तो बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करें। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और लोग अब बाज़ार से फल खरीदने में डर महसूस कर रहे हैं। इससे पहले मुंबई में कुछ ऐसा ही मामसा सामने आया था, जहां तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी, और उनकी मौत हो गई थी।

कैडेटों ने किया ऑपरेशन सिंदूर पर कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर।98 अप बीएन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एल आलोक सिंह के निर्देशन पर शुक्रवार को मड़ियाहूं पीजी कॉलेज के 4/98 बीएन एनसीसी मडियाहू के कैडेटो द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। झंडारोहण के उपरांत छात्रों ने राष्ट्रगान तत्पश्चात एनसीसी गान प्रस्तुत कर राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व्यक्त किया। आज ही के दिन एक वर्ष पहले भारत ने अपना पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रदर्शित किया और पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को पल भर में नष्ट कर भारत ने अपने मजबूत इरादों को दिखा दिया। भारतीय सैनिक शक्ति कितनी मजबूत है इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला। इस ऑपरेशन में राफेल युद्ध क्राफ्ट के साथ-सा द क्रूज

मिसाइल और द्रोण का प्रयोग किया गया। जिसे भारतीय सैनिकों ने मात्र 20 मिनट में संचालित कर दुश्मन के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। इस अवसर पर डा. विवेक कुमार मिश्र, डा. सुशील मिश्रा, डा. बृजेश चैबे, डा. आजाद सिंह आदि उपस्थित रहे। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय कुमार ने छात्रों को सिंदूर ऑपरेशन की उपलब्धियां बताई। कार्यक्रम के अंत में मडियाहू पीजी कॉलेज प्राचार्य एवं एनसीसी कैप्टन एस.के. पाठक ने आगंतुकों के प्रति अपना धन्यवाद दिया।

गर्मियों में आपको लू से बचाएगा सिरके वाला प्याज

जानें इसे बनाने का बेहद ही आसान तरीका

देशभर में लगातार गर्मी का सितम बढ़ता जा रहा है। कई राज्यों में लू-लपट ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। इस मौसम में लोगों को कई तरह की परेशानियां होती हैं, जिससे बचने के लिए लोगों को घरों में रहने की सलाह दी जाती है। कई राज्यों में पारा 40 डिग्री पार कर चुका है, जिस वजह से लोगों की हालत खराब है। लोग लू से बचने के लिए कई उपाय करते हैं। वो अपने खाने से लेकर पहनावे तक में बदलाव करते हैं।

अगर आप भी लू से बचना चाहते हैं, तो अपने खाने में सिरके वाला प्याज शामिल कर सकते हैं। सिरके वाला प्याज हर रेस्टोरेंट में खाने के साथ परोसा जाता है। इसे हर कोई खाना पसंद करता है। अगर आप चाहें तो इसे आसान विधि से घर पर ही तैयार कर सकते हैं। इसके सेवन से आपको गर्मी की कई परेशानियों से छुटकारा मिल जाएगा।

सिरके वाला प्याज बनाने का सामान

20 प्याज (छोटे वाले)
आधी कटोरी सफेद सिरका
आधा कप पानी
3 चम्मच शक्कर
2 चम्मच नमक
कटा हुआ चुकंदर

विधि

सिरके वाला प्याज बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले प्याज को छीलकर उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। इसके बाद इन प्याज में कट लगा दें। ध्यान रखें कि ये कट प्याज के आर-पार नहीं होने चाहिए।

अब एक बड़े कटोरे में सिरका डाल दें। इसके बाद इस कटोरे में पानी मिला दें। पानी मिलाने के बाद इसमें 3 चम्मच चीनी और 2 चम्मच नमक मिलाएं। नमक और चीनी मिल जाने के बाद इसमें कटा हुआ चुकंदर डालें।

सबसे आखिर में एक कटोरे में आपको प्याज डालना है। इस सिरके वाले प्याज को एक कांच के जार में रख दें। इस जार को ऐसे से दो से तीन दिन रखना है।

ध्यान रखें कि इसे दिन में दो से तीन हिलाते रहें। जब पानी का रंग बदलने तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। इसे आप एक हफ्ते तक रख सकते हैं। इसे आप सलाद में सादा प्याज की जगह परोस सकते हैं।

व्यस्त इंसान के पास नाखुश होने का समय नहीं होता

लाइफ स्टेटस यह हम सबके लिए बहुत जरूरी होता है कि हम सब जिंदगी के जितने पल भी जी रहे हैं, उसे सुकून के साथ जिए। ऐसे तो कहा जाता है कि जिंदगी के हर पल को ऐसे जीना चाहिए जैसे कि वह आपके लिए एक आखिरी पल हो। जिंदगी आपकी कब खत्म हो जाए इसका कोई भरोसा नहीं।

किसी भी व्यक्ति के पास जीवन को जीने के लिए दो तरीके मौजूद होते है, पहला तरीका तो यह है की हम औरो के जैसे अपने जीवन में आने वाले संघर्षो और मुश्किलों की शिकायत करते रहे। हम सभी को अपने जीवन की समस्याए बताये और उनके सामने दया के पात्र बनने की कोशिश करे। यह वो तरीका है जिससे दुनिया अधिकतर असफल तथा जीवन से नाखुश लोग अपने जीवन को जीते है। लेकिन इसके विपरीत हम सभी के पास हमारे जीवन को ख़ुशी के साथ जीने का दूसरा तरीका भी है। वो दूसरा तरीका यह है की जब आपके जीवन में मुश्किल समय और संघर्ष आये।

इसलिए बेहद जरूरी है मन को नियंत्रण में रखना

किसी काम को टालने की सबसे आम वजह यह होती है कि उसको करने का हमारा मूड नहीं होता। मन चंचल है और सदियों से इसे वश में रखने को कहा जा रहा है। मन कभी अच्छी चीजों की ओर नहीं जाता, क्योंकि उनके लिए अनुशासन और श्रम की जरूरत होती है। यह क्षणिक सुख और आनंद के पीछे भागता है। मेहनत से घबराता है। अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो सबसे पहले मन को अनुशासित करें।

लोगों की भावनाओं को समझने का प्रयास करें

दूसरों के मौखिक और गैर मौखिक संदेशों को प्रभावी ढंग से सुनना सीखें। जिसमें शरीर की हरकतें, हावभाव और भावनाओं के संकेत शामिल हैं। अन्य लोग क्या महसूस कर रहे हैं इसके बारे में जानने के लिए प्रश्नों का उपयोग करें और यह स्पष्ट करने के लिए फीडबैक का उपयोग करें कि आपने उनकी भावनाओं को ठीक तरह समझा है। ऐसी टिप्पणियां देने से बचें, जो दूसरों को कमतर आंकने वाली हों। (इमोशनल इंटेलीजेंस)

याद रखें कि आप सभी को खुश नहीं कर सकते

आप सबको खुश नहीं कर सकते। आलोचना को अपने-आप पर कभी हावी न होने दें। खुद के जैसे बनें। आगे चलकर यह ज्यादा काम आएगा। केवल वही चीजें करें जिन्हें करने में आप सहज महसूस करते हैं। खुद के लिए संकट न मोल लें। वास्तविकता से ज्यादा मुश्किल होता है काल्पनिक चीजों को झेलना। खुद को काम में व्यस्त रखें। एक व्यस्त इंसान के पास नाखुश होने का समय ही नहीं रहता।

विश्वास की शक्ति आपके लिए हमेशा काम करती है

जैसे एक संगीतज्ञ संगीत की सबसे खूबसूरत धुनों को वायलिन के तारों में से छोटे-छोटे अंशों में निकलवाता है, ऐसे ही आप अपने दिमाग में सोई हुई प्रतिभा को जगा सकते हैं और इससे खुद को ऊपर उठा सकते हैं। जीतने का सबसे बड़ा कारण होता है अपने आप पर विश्वास। यदि आपके मन में विश्वास है, तो कितनी ही बाधाएं आएं, असफल नहीं होंगे। विश्वास की शक्ति आपके लिए काम करती है।

गैजेट्स में कार्बन फुटप्रिंट को कैसे कम करें? ध्यान रखें ये 5 बातें

ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के इस दौर में हममें से हर किसी की यह जिम्मेदारी बनती है कि हम अपना कार्बन फुटप्रिंट कम से कम रखें। आसान शब्दों में कहें तो आप और हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कितना प्रदूषण फैलाते हैं, यही हमारा कार्बन फुटप्रिंट होता है। कार्बन फुटप्रिंट का एक बड़ा संबंध हमारी आदतों से भी हैं। गैजेट्स को लेकर हम फुटप्रिंट कैसे कम कर सकते हैं, इसके लिए ये टिप्स काम आ सकती हैं :

'ट्रिपल आर' का मंत्र अपनाएं 'ट्रिपल आर'

यानी रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल। ये छोटा-सा मंत्र अगर आप अपनी जीवनशैली में ले आएं तो पर्यावरण के लिए भी अच्छा होगा, आपकी जेब के लिए भी बेहतर होगा और आपका कार्बन फुटप्रिंट कम होगा, सो अलग। तो जब भी खरीदें, ऐसा खरीदें जो लंबे वक्त तक साथ दें, यानी बार-बार न खरीदना पड़े, मतलब खरीदी में 'रिड्यूस' करें। जब गैजेट बदलने का मूड करें तो उसे अपने घर के किसी सदस्य या किसी जरूरतमंद को दे दीजिए, ताकि वह 'रियूज' हो सके। और जब वो फोन या डिवाइस खराब हो जाए तो उसे अथोराइज्ड शोरूम में जाकर 'रिसाइकल' होने के लिए दे दीजिए।

पॉवर मैनेजमेंट करें

एनर्जी सेविंग फीचर्स का यथासंभव इस्तेमाल करें। जैसे अपने फोन, लैपटॉप, टीवी में एनर्जी सेवर मोड को हमेशा ऑन करके रखें। इससे टीवी के मामले में स्क्रीन की ब्राइटनेस कम रहती है। इससे 2 फायदे होते हैं। पहला, ब्राइटनेस कम होने के कारण आंखों पर जोर कम पड़ेगा और दूसरा, स्क्रीन पर ब्राइटनेस कम होगी तो बिजली की खपत कम होगी। बिजली बचाने से आपका कार्बन फुटप्रिंट खुद-ब-खुद ही कम होगा। इसके अलावा अगर आपको लगता है कि अगले कुछ घंटों तक गैजेट की कोई जरूरत नहीं पड़ने वाली है तो उसे टर्न ऑफ कर दीजिए। इससे भी कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलेगी।

चार्जिंग की अच्छी आदत डालें

सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करें कि आप हमेशा क्विक या फास्ट चार्जर का इस्तेमाल कर रहे हैं, यानी वह डिवाइस को फटाफट चार्ज कर देता है। इसका फायदा यह होगा कि बिजली बचेगी और बिजली बचाने का मतलब है आप अपना कार्बन फुटप्रिंट कम कर रहे हैं। इसके अलावा हमेशा इस बात को आदत में उतारें कि जब भी मोबाइल या अन्य कोई गैजेट चार्ज हो जाए तो चार्जर को तुरंत अनप्लग कर दें। इससे न केवल बैटरी की लाइफ बढ़ेगी, डिवाइस के फटने का खतरा कम होगा, बल्कि कार्बन फुटप्रिंट भी घटेगा।

इको-फ्रेंडली एक्सेसरीज का यूज करें

हमेशा ऐसी एक्सेसरीज ही चुनें जो एनर्जी की दक्षता को बढ़ाने वाली हो। जैसे स्मार्ट पावर स्ट्रिप का इस्तेमाल कर सकते हैं। स्मार्ट पावर स्ट्रिप उन चीजों को अपने आप डिसेबल कर देगी, जिनकी आपको इस समय जरूरत नहीं है। जैसे अगर आप टीवी को टर्न ऑफ करते हैं तो स्मार्ट स्ट्रिप आपके टीवी से कनेक्टेड कई चीजों जैसे गेम कंसोल, होम थिएटर कम्पोनेंट्स, डीवीडी प्लेयर आदि को डिस्कनेक्ट कर देगी। इसी तरह हमेशा उन केसेस और कवर का चयन करें जो सस्टेनेबल मटेरियल्स से बने होते हैं।

हर साल ई-वेस्ट का हिस्सा ना बनें

हर साल नया गैजेट लेने की आदत बदलें। ऐसा करके आप ना सिर्फ कई बार अपनी कमाई फूंकते हैं, बल्कि फीचर के बहाने छोटे-मोटे बदलाव के नाम पर आप ठगे भी जाते हैं। हर साल नया डिवाइस लेने की आदत पर्यावरण पर बहुत भारी पड़ती है। अगर आप हर साल नया फोन खरीदते हैं और पुराना फोन घर में किसी को दे देते हैं, तब भी 4-5 सालों में आपके परिवार में सबके पास काम चलाने लायक अच्छा फोन होगा और उसके बाद आप जो भी नया खरीदेंगे, वो हर दिन बढ़ते ई-वेस्ट का हिस्सा ही बनेगा।

आसान शब्दों में कहें तो आप और हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कितना प्रदूषण फैलाते हैं, यही हमारा कार्बन फुटप्रिंट होता है। कार्बन फुटप्रिंट का एक बड़ा संबंध हमारी आदतों से भी हैं।

एफडीआई मंजूरी में अब नहीं होगी देरी! मोदी सरकार ने जारी की नई एसओपी, 12 हफ्तों की डेडलाइन तय

सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि एफडीआई आवेदनों पर विचार करने और अंतिम निर्णय लेने की पूरी प्रक्रिया अब अधिकतम 12 हफ्तों के भीतर पूरी करनी होगी। डीपीआईआईटी ने निवेशकों की सुविधा और प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) में बदलाव किए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना और भारत को विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाना है।

सरकार अब विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) आवेदनों को प्रोसेस करने के लिए अपडेटेड स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) के अनुसार, सभी एफडीआई प्रस्तावों को 12 हफ्तों के अंदर मंजूरी देगी। SOP के अनुसार, प्रस्तावों पर फैसला लेने के लिए 12 हफ्तों तक का समय तय किया गया है। इसमें वह समय शामिल नहीं है जो आवेदक प्रस्तावों में कमियों को दूर करने या सक्षम अधिकारी द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी देने में लगाते हैं। सरकार के 2017 के SOP में प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 हफ्तों का समय तय किया गया था। मौजूदा SOP के अनुसार, डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) को उन प्रस्तावों पर विचार करने के लिए दो अतिरिक्त हफ्ते भी दिए जाएंगे जिन्हें अस्वीकार करने का प्रस्ताव है, या जहां सक्षम अधिकारी द्वारा अतिरिक्त शर्तें लगाने का प्रस्ताव है।

एसओपी का मकसद

डीपीआईआईटी ने कहा कि इस SOP का मकसद एफडीआई आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से पेपरलेस बनाना है। इसलिए, आवेदक को एफडीआई प्रस्तावों को प्रोसेस करने के लिए जरूरी किसी भी दस्तावेज की फिजिकल कॉपी जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

डीपीआईआईटी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का एक हिस्सा है जो एफडीआई से जुड़े मामलों को देखता है। नए SOP के अनुसार, सभी आवेदन विदेश मंत्रालय को भेजे जाएंगे ताकि वे उन निवेशों पर अपनी राय/मंजूरी दे सकें जो भारत के साथ जमीनी सीमा शेयर करने वाले देशों से आ रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी भी प्रस्ताव पर जिन मंत्रालयों और विभागों से सलाह ली जाती है – जिनमें RBI, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय शामिल हैं – उन्हें तय समय सीमा के अंदर अपनी राय देनी होगी। अगर तय समय के अंदर राय नहीं मिलती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

हाल में दी थी ढील

SOP में भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों (चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान) से आने वाले निवेशों के लिए अलग से दिशा-निर्देश भी शामिल हैं। पिछले महीने, सरकार ने उन विदेशी कंपनियों के लिए एफडीआई नियमों में ढील दी थी जिनकी शेयरहोल्डिंग में चीन/हांगकांग की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक (या गैर-नियंत्रक हिस्सेदारी) है। इससे वे लागू क्षेत्रीय शर्तों और एफडीआई सीमाओं के अधीन, 'ऑटोमैटिक रूट' के तहत भारत में निवेश कर सकेंगी। इसके अलावा, सरकार ने इन सात देशों के निवेशकों को कुछ खास क्षेत्रों/गतिविधियों में तेजी से मंजूरी (60 दिनों के अंदर) देने का फैसला किया है।

इन सेक्टरों में कैपिटल गुड्स मैन्युफैक्चरिंग (बिजली घरों के लिए इंसुलेशन आइटम, कास्टिंग और फोर्जिंग, अलॉय स्टील के बिना जोड़ वाले पाइप और ट्यूब, और मशीन टूल्स जैसे भारी बिजली उद्योग); और इलेक्ट्रॉनिक कैपिटल गुड्स और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग (जैसे प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, इलेक्ट्रॉनिक कैपेसिटर, रेसिस्टर, स्पीकर और ICT उत्पादों के लिए माइक्रोफ़ोन) शामिल हैं। इन सेक्टरों में पॉलीसिलिकॉन वेफर, एडवांस्ड बैटरी कंपोनेंट, रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट, और रेयर अर्थ प्रोसेसिंग भी शामिल हैं।

पोर्टल में जमा कराना होगा

इसके अलावा, इसमें कहा गया है कि जिन प्रस्तावों में कुल विदेशी इक्विटी निवेश 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा होगा, उन पर आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) फैसला लेगी। जिन आवेदनों के लिए सरकारी मंजूरी जरूरी है, उन्हें Foreign Investment Facilitation/NSWS (National Single Window System) पोर्टल के जरिए ऑनलाइन जमा करना होगा। संबंधित मंत्रालय और विभाग पोर्टल पर प्रस्तावों की जांच करेंगे। प्रस्ताव ऑनलाइन जमा होने के बाद, डीपीआईआईटी संबंधित मंत्रालय की पहचान करेगा और आवेदन की प्रोसेसिंग और सेटलमेंट के लिए तय समय-सीमा के अंदर उसे सौंप देगा। प्रस्ताव को टिप्पणियों के लिए RBI को ऑनलाइन भेजा जाएगा, और जिन आवेदनों के लिए सुरक्षा मंजूरी जरूरी होगी, उन्हें गृह मंत्रालय को भी भेजा जाएगा।

जमा करना होगा घोषणा पत्र

इसमें आगे कहा गया है कि अगर कोई आवेदक, निवेश पाने वाली कंपनी/निवेशक को दिए गए मंजूरी पत्र को वापस करना चाहता है, तो संबंधित मंत्रालय इसे स्वीकार कर सकता है, बशर्ते आवेदक इसके कारणों को साफ तौर पर बताते हुए एक घोषणा पत्र जमा करे। नई SOP के मुताबिक, MHA, MEA, और किसी भी अन्य संबंधित मंत्रालय/RBI/नियामक द्वारा टिप्पणियां जमा करने की समय-सीमा आठ हफ्ते होगी। इस पर टिप्पणी करते हुए, थिंक टैंक GTRI के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह SOP एफडीआई मंजूरी की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और पूरी तरह से डिजिटल बनाकर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने में आसानी) को बेहतर बनाएगी, जिससे तय समय-सीमाओं के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

काफी आसान हो जाएंगी चीजें

उन्होंने कहा कि हालांकि, एजेंसियों के बीच कड़ी जांच-पड़ताल और सुरक्षा जांचों का मतलब है कि नियमों का पालन करना अभी भी मुश्किल बना रहेगा। भारत को इस दिशा में और आगे बढ़ना चाहिए – नियमों को आसान बनाना, नियमों के पालन में आने वाली लागत को कम करना, और व्यापार करने की लागत को घटाना – ताकि मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस्ड सेक्टर्स में हाई-क्वालिटी वाला और लंबे समय तक चलने वाला निवेश आकर्षित किया जा सके।

अप्रैल-फ़रवरी 2025-26 के दौरान, भारत में कुल एफडीआई निवेश 88 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। पिछली SOP 29 जून, 2017 को जारी की गई थी। उसके अनुसार, किसी एफडीआई प्रस्ताव की मंजूरी के लिए अधिकतम 10 सप्ताह की डेडलाइन तय की गई थी। ज्यादातर सेक्टरों में विदेशी निवेश 'ऑटोमैटिक रूट' के तहत मंजूर है। फिलहाल, लगभग 11 सेक्टर्स—जिनमें रक्षा, ब्रॉडकास्टिंग कंटेंट सर्विसेज, प्रिंट मीडिया और बैंक शामिल हैं-में एफडीआई के लिए सरकार की मंजूरी जरूरी है।

अमेरिका और ईरान में बातचीत के बीच भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी

अमेरिका और ईरान में युद्ध समाप्त करने को लेकर बातचीत के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट खुला। सुबह 9:21 पर सेंसेक्स 68 अंक या 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,889 और निफ्टी 24 अंक या 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,303 पर था।

हालांकि, मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 202 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,563 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 97 अंक या 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,657 पर था।

शुरुआत कारोबार सूचकांक में निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल बाजार का नेतृत्व कर रहे थे। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी इंडिया डिफेंस हरे निशान में थे। वहीं, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी पीएसई, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी सर्विसेज हरे लाल निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक हरे निशान में थे। टीसीएस, एचयूएल, सन फार्मा, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, बीईएल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और आईटीसी लूजर्स थे।

ज्यादातर एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। अमेरिकी बाजार भी बुधवार को हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें डाओ जोन्स 1.24 प्रतिशत और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 2.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं। ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए द्वारा ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि तेहरान अपनी प्रतिक्रिया देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ईरान एक समझौता चाहता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने और हॉर्मुज सेट्रट को खोलने की मांग रहा है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ईरान एक समझौते चाहता है।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाली कर रहे हैं। बुधवार को एफआईआई ने इक्विटी में 5,834.90 करोड़ रुपए की बिकवाली की। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,836.87 करोड़ रुपए का इक्विटी में निवेश किया।

ईरान पर ट्रंप की 'प्यार की थपकी', बंदरगाहों पर हमला कर बोले– सीजफायर अब भी कायम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों ने एक दूसरे पर होर्मुज स्ट्रेट में हमले किए। यह पिछले एक महीने से लागू सीजफायर के बाद सबसे बड़ा टकराव माना जा रहा है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सीजफायर अभी भी जारी है और हालात ज्यादा खराब नहीं हुए हैं। उन्होंने इस झड़प को लव टैप यानी प्यार की थपकी बताया। इससे पहले ईरान के साथ हालात ट्रंप 'मिनी वॉर' कह चुके हैं। इधर, ईरान की सेना ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में दाखिल हो रहे दो जहाजों को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके इलाके में भी हवाई हमले किए। इन हमलों में केश्म आइलैंड, बंदर खमीर और सीरिक के तटीय इलाके शामिल थे। इसके जवाब में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट के पास मौजूद अमेरिकी सैन्य जहाजों पर हमला किया। ईरान के खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने दावा किया कि अमेरिकी जहाजों को भारी नुकसान पहुंचा है। लेकिन अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने ईरान के इस दावे को खारिज कर दिया।

US नेवी के 3 जहाजों पर हमला

अमेरिका के मुताबिक, ईरान ने मिसाइल, ड्रोन और छोटी नौकाओं से अमेरिकी नौसेना के तीन डेस्ट्रॉयर जहाजों पर हमला किया। अमेरिकी सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान के मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया। CENTCOM ने कहा कि अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपने सैनिकों और जहाजों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरान ने भी चेतावनी दी कि अगर उस पर हमला हुआ तो वह तुरंत और पूरी ताकत से जवाब देगा। बाद में ईरान के सरकारी चैनल प्रेस टीवी ने बताया कि कई घंटे तक चली गोलीबारी के बाद अब होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हालात सामान्य हो गए हैं।

शांति प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार

यह तनाव ऐसे समय बढ़ा है जब अमेरिका, ईरान से एक नए शांति प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार कर रहा है। इस प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने की बात कही गई है, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसे बड़े मुद्दों पर अभी सहमति नहीं बनी है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिकी डेस्ट्रॉयर जहाज सुरक्षित हैं और ईरान की कई छोटी नौकाओं को तबाह कर दिया गया। उन्होंने ईरान से जल्द समझौता करने की अपील भी की। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका आगे और ज्यादा सख्त कार्रवाई कर सकता है।

देखते रह गए ईरान-अमेरिका, नाकाबंदी के बीच होर्मुज से यूएई ने पार करा लिए 4 तेल टैंकर

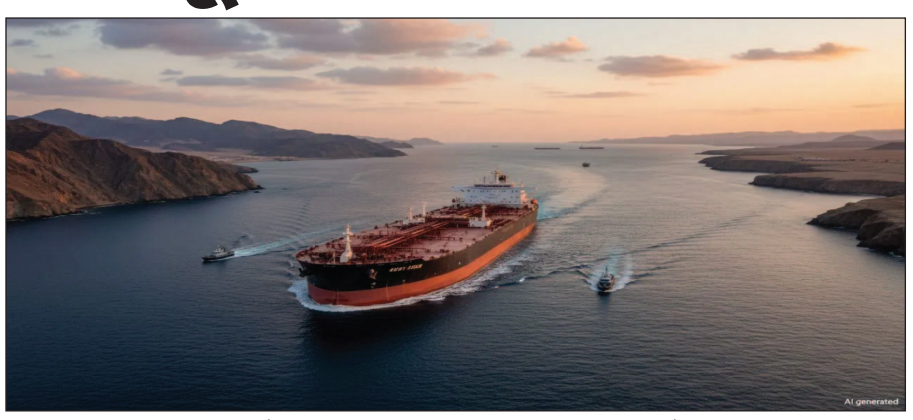

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान के खतरे के बीच यूएई ने बेहद सावधानी से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल सप्लाई जारी रखी। यूएई ने खाड़ी में फंसे तेल को चुपचाप दूसरे देशों तक पहुंचाया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई की सरकारी तेल कंपनी ADNOC ने अप्रैल में कम से कम 60 लाख बैरल कच्चा तेल खाड़ी से बाहर भेजा। इसमें 40 लाख बैरल अपर जाकुम क्रूड और 20 लाख बैरल दास क्रूड शामिल था। यह तेल चार बड़े टैंकरों के जरिए भेजा गया। ईरान युद्ध से पहले यूएई जितना तेल निर्यात करता था, अभी भेजी जा रही मात्रा उसका सिर्फ छोटा हिस्सा है। फिर भी इससे पता चलता है कि तेल बेचने और खरीदने वाले देश कितना बड़ा जोखिम उठा रहे हैं। दूसरी तरफ इराक, कुवैत और कतर जैसे खाड़ी देशों ने तेल बिक्री कम कर दी है या रोक दी है। कुछ देशों ने खरीदारों को लुभाने लिए कीमतें घटा दी हैं। वहीं सऊदी अरब अब सिर्फ लाल सागर के रास्ते तेल भेज पा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई ने अपने कई तेल टैंकरों के लोकेशन ट्रैकर बंद कर दिए, ताकि ईरानी सेना उनकी पहचान न कर सके। जहाजों ने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (AIS) बंद रखा। AIS एक ऐसा सिस्टम होता है जिससे जहाजों की लोकेशन ट्रैक की जाती है। ट्रैकर बंद होने की वजह से जहाजों की गतिविधि पर नजर रखना मुश्किल हो गया। यही तरीका ईरान भी लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल करता रहा है।

दूसरे जहाजों को तेल ट्रांसफर भी किया

कुछ टैंकरों ने होर्मुज पार करने के बाद समुद्र में दूसरे जहाजों को तेल ट्रांसफर किया। इसे शिप-टू-शिप ट्रांसफर कहा जाता है। इसके बाद तेल मलेशिया, दक्षिण कोरिया और दूसरे एशियाई देशों की रिफाइनरियों तक पहुंचाया गया। कुछ तेल ओमान के स्टोरेज टर्मिनल में भी रखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, हफीत नाम के जहाज ने 20 लाख बैरल तेल लेकर होर्मुज पार किया। बाद में यह तेल मलेशिया की पेंगरांग रिफाइनरी भेजा गया। वहीं, अलीएकमोन-1 नाम के टैंकर ने 20 लाख बैरल क्रूड ओमान पहुंचाया।

यूएई के लिए यह पूरा ऑपरेशन काफी जोखिम भरा था। हाल ही में यूएई ने आरोप लगाया था कि ईरान ने अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी (ADNOC) के एक खाली टैंकर बराकाह पर ड्रोन हमला किया था, जब वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा था। युद्ध शुरू होने के बाद ADNOC का तेल निर्यात रोजाना 10 लाख बैरल से ज्यादा घट गया है। इसके बावजूद कंपनी तेल सप्लाई जारी रखना चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक, ADNOC अब एशियाई देशों की रिफाइनरियों के साथ मई महीने की नई तेल सप्लाई को लेकर बातचीत कर रही है।

1 साल बाद भी मुरीदके में मातम, हाफिज अंडरग्राउंड ऑपरेशन सिंदूर ने तोड़ी लश्कर-ए-तैयबा की कमर

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद भी लश्कर ए तैयबा मूर्छित अवस्था में है। एक तरफ उसके सरगना हाफिज सईद की कोई खोज-खबर नहीं है। वहीं दूसरी तरफ मुरीदके स्थित उसका मुख्यालय भी पूरी तरह निष्क्रिय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने मुरीदके स्थित लश्कर के मुख्यालय को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। बीबीसी उर्दू के मुताबिक एक साल बाद भी यहां से मलबा नहीं हटाया गया है। साथ ही परिसर के मस्जिद और मदरसे को फिर से बनाने की कोई कवायद भी शुरू नहीं की गई है।

दूसरी तरफ बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के जिस मदरसे को तोड़ा गया था। वो फिर से बनकर तैयार हो गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि लश्कर की ऐसी हालात क्यों हो गई है? ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही हाफिज सईद अंडरग्राउंड है। उसके बारे में कोई खोज-खबर नहीं है। यह चर्चा है कि हाफिज पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर के पास छिपा है। वहीं हाफिज के बेटे ने कुछ महीने पहले पिता को लेकर बयान दिया था। तल्हा सईद का कहना था कि मेरे पिता पाकिस्तान सेना की निगरानी में हैं और वे पूरी तरह से ठीक हैं।

हाफिज का इस दौरान कोई संदेश भी सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आया है। पहले खुले तौर पर हाफिज रैलियों को संबोधित करता रहा है। पंजाब चुनाव में उसकी पार्टी भी एक्टिव रहती थी।

मुरीदके मुख्यालय में मातम पसरा

बीबीसी उर्दू ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद मुरीदके को लेकर एक रिपोर्ट की है। इसके मुताबिक मुरीदके में जिस जगह पर हमला हुआ था, उसे पूरी तरह सील कर दिया गया है। लश्कर के मुख्यालय परिसर के चारों ओर सफेद ड्रेस में सैनिकों की तैनाती की गई है। इलाके में फोटो-वीडियो लेने पर पाबंदी है। साथ ही हमले के दौरान जो मदरसे टूटे थे, उसका मलबा तक साफ नहीं किया गया है, जबकि उस वक्त कहा गया था कि इस जगह को फिर से ठीक किया जाएगा। हाफिज सईद के इस मदरसे में हजारों बच्चे पहले एक साथ पढ़ते थे। अब वहां पर सन्नाटा पसरा है। पिछले एक साल में अज्ञात हमलावरों के हमले से हाफिज सईद के कई करीबी मारे गए हैं। पिछले दिनों ही हमजा की हत्या लाहौर में कर दी गई थी। हमजा लश्कर का को-फाउंडर था।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा आतंकी संगठन

लश्कर ए तैयबा को पाकिस्तान का सबसे बड़ा आतंकी संगठन माना जाता रहा है। 1985 में हाफिज सईद ने अपने 5 आतंकी दोस्तों के साथ इसकी स्थापना की थी। शुरुआत में यह संगठन सोवियत के खिलाफ जंग में शामिल हुआ। बाद में पाकिस्तान की सरकार ने इसे कश्मीर सीमा पर एक्टिव कर दिया। मुंबई आतंकी हमले के पीछे इसी संगठन का हाथ था। हाफिज सईद को संयुक्त राष्ट्र संघ भी आतंकी घोषित कर चुका है। इसके बावजूद पाकिस्तान की सरकार से उसे खुला शह मिलता है।

विजय की चेतावनी– डीएमके–एआईएडीएमके ने सरकार बनाने का किया दावा, तो इस्तीफा देंगे सभी टीवीके विधायक

चेन्नई, एजेंसी। अभिनेता विजय की तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने चेतावनी दी है कि अगर डीएमके या एआईएडीएमके में से कोई भी सरकार बनाने का दावा करता है, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे। यह फैसला डीएमके और एआईएडीएमके में हुई दो अहम बैठकों के बाद लिया गया। टीवीके को अब शक है कि दोनों पार्टियां मिलकर सरकार बनाने की कोशिश कर रही हैं और उस पार्टी को बाहर कर रही हैं, जिसे जनता का समर्थन मिला है।

टीवीके का कहना है कि वह 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए राज्यपाल को उसे सरकार बनाने के लिए बुलाना चाहिए। लेकिन इससे पहले राज्यपाल आरवी अर्लेकर ने विजय को सरकार बनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि उनके पास बहुमत नहीं है। उन्होंने विजय की उस योजना को भी स्वीकार नहीं किया, जिससे बहुमत पूरा किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, दूसरी बैठक के बाद राज्यपाल ने कहा कि विजय को 118 विधायकों के समर्थन के पत्र देने होंगे। राजभवन की ओर से कहा गया कि विधानसभा में सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत साबित नहीं हुआ है। टीवीके को बहुमत के लिए 10 सीटों की कमी है। कांग्रेस के पांच विधायकों का समर्थन उसे मिला हुआ है। बाकी सीटों के लिए वाम दलों और कुछ छोटी पार्टियों से बातचीत चल रही है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी अदालत जाने की भी तैयारी कर रही है।

डीएमके ने बैठक में पारित किए चार प्रस्ताव

वहीं, डीएमके ने आज बैठक की जिसमें चार प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें पार्टी प्रमुख एमके स्टालिन को आपात निर्णय लेने का अधिकार देना शामिल है। डीएमके ने कहा कि उनका लक्ष्य दोबारा चुनाव से बचना और स्थिर सरकार बनाना है। डीएमके ने स्थिति को गंभीर बताते हुए अपने सभी विधायकों को 10 मई तक चेन्नई में रहने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, यह भी चर्चा है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व में बाहर से समर्थन देकर सरकार बनाने का विकल्प भी देखा जा रहा है।

'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में डीएमके

डीएमके के कुछ युवा नेता चिंतित हैं कि अगर विजय सत्ता में आए तो वे एमजी रामचंद्रन जैसे मजबूत नेता बन सकते हैं, जिन्हें हटाना मुश्किल होगा। लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिनमें एमके स्टालिन भी शामिल हैं, अभी इस विचार से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वे इस बात से चिंतित हैं कि दशकों से विरोधी रही पार्टियां एक साथ आएंगी तो जनता की प्रतिक्रिया कैसी होगी। एआईएडीएमके भी फिलहाल इंतजार की स्थिति में है। कुछ नेता टीवीके से गठबंधन के पक्ष में हैं। लेकिन पार्टी नेतृत्व ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया है।

'जन-गण-मन और वंदे मातरम बराबर नहीं': केंद्र के फैसले पर ओवैसी बोले- संविधान, भारत के लोगों से शुरू होता है

हैदराबाद, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार के उस फैसले पर आपत्ति जताई है, जिसमें वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह एक देवी की स्तुति है। ओवैसी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जन गण मन भारत और उसके लोगों का उत्सव मनाता है, किसी विशेष धर्म का नहीं। धर्म राष्ट्र नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि वंदे मातरम लिखने वाले बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन के प्रति सहानुभूति रखते थे और मुसलमानों के प्रति नकारात्मक सोच रखते थे। ओवैसी ने दावा किया कि नेताजी बोस, गांधी, नेहरू और टैगोर ने भी इसे राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार नहीं किया था।

संविधान का क्या दिया हवाला?

संविधान का हवाला देते हुए ओवैसी ने कहा कि प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है, न कि भारत माता के नाम से। उन्होंने कहा कि संविधान भारत को राज्यों का संघ बताता है और देश किसी देवी-देवता के नाम पर नहीं चलता। ओवैसी ने यह भी कहा कि संविधान सभा में प्रस्तावना को देवी या ईश्वर के नाम से शुरू करने और उसके नागरिकों की जगह उसकी प्रजा लिखने जैसे संशोधन प्रस्तावित किए गए थे, लेकिन उन्हें खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि भारत यानी भारत के लोग। राष्ट्र कोई देवी नहीं है और यह किसी एक देवी-देवता का नहीं है।

भाजपा ने किया पलटवार

इस बीच तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने ओवैसी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि एआईएमआईएम नेतृत्व सांस्कृतिक एकीकरण को धार्मिक अलगाववाद के लिए खतरे के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने भी अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दौर में वंदे मातरम का विरोध नहीं किया था, लेकिन कांग्रेस छोड़ने के बाद उनका रुख बदल गया। रामचंदर राव ने कहा कि एआईएमआईएम केवल वंदे मातरम ही नहीं, बल्कि समान नागरिक संहिता, तीन तलाक समाप्त करने और साझा राष्ट्रीय ढांचे के अन्य प्रयासों का भी विरोध करती रही है। उनके मुताबिक, यह राजनीति धार्मिक अलगाववाद और वोट बैंक की सोच से प्रेरित है। दरअसल, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध माना जाएगा। इस संशोधन के बाद वंदे मातरम को भी जन गण मन के समान कानूनी संरक्षण मिलेगा।

तीन–तीन सुंदर हीरोइन्स के फेर में उलझे आयुष्मान खुराना, पति पत्नी और वो दो का ट्रेलर रिलीज, 15 मई को आएगी फिल्म

आयुष्मान खुराना एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी जिंदगी की खलबली लेकर लौट आए हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म पति पत्नी और वो दो का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें आयुष्मान 1-2 नहीं, बल्कि 3-3 हसीनाओं के बीच बुरी तरह फंसे नजर आ रहे हैं। प्यार, शादी और जबरदस्त उलझनों से भरा ये ट्रेलर देख दर्शक खूब ठहाके लगा रहे हैं। फिल्म में आयुष्मान के साथ सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी।

बॉलीवुड में एक बार फिर पति की मुसीबतों वाली कहानी की वापसी हुई है। गानों और टीजर के जरिए माहौल बनाने के बाद अब पति पत्नी और वो दो का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म की कहानी प्रजापति पांडे (आयुष्मान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी जिंदगी में एक पत्नी और एक नहीं, बल्कि 2-2 प्रेमिकाएं हैं। इस कन्फ्यूजन और अफरा-तफरी से प्रजापति कैसे बाहर निकलेंगे, यही फिल्म की मुख्य कहानी है।

मुदस्सर अजीज, जिन्होंने पति पत्नी और वो और मेरे हस्बैंड की बीवी जैसी फिल्मों से अपनी खास पहचान बनाई है, एक बार फिर अपनी चिर-परिचित शैली में लौट आए हैं। इस बार भी उन्होंने एक ऐसी कहानी बुनी है, जहां हीरो महिलाओं के चक्कर में बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में विजय राज, तिग्मांशु धूलिया और दुर्गेश कुमार जैसे कलाकार भी हैं। टी-सीरीज और बीआर स्टूडियोज के बैनर तले बनी ये फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। बता दें कि पति पत्नि और वो नाम की पहली फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद अब इसी तरह की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। 15 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म से मेकर्स को अच्छी उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। ट्रेलर रिलीज होते ही फैन्स का भी इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में दमदार कॉमेडी देखने को मिलने वाली है। विजय राज जैसे कमाल के कलाकार भी इस फिल्म में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं।

कब रिलीज होगा नोरा फतेही का नया गाना? पोस्टर शेयर करते हुए डांसर ने फैंस से पूछा सवाल

अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही इन दिनों एक विवाद को लेकर चर्चा में हैं। इस विवाद के चलते वह राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने जानकारी दी है कि उनका नया गाना कब रिलीज होने वाला है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी इसी तरह का एक फोटो शेयर किया है।

नोरा फतेही ने जो पोस्ट शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने मरून ड्रेस में पोज दिया है। ऐसा लगता है कि वह जंगल में हैं। इस पर लिखा है 'बॉडी रोल', नौ मई को रिलीज हो रहा है। इसके साथ नोरा फतेही ने लिखा है 'क्या इस गाने का टीजर आज रिलीज करूं?' इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए कई यूजर्स ने मांग की है कि जितनी जल्दी हो सके गाने का टीजर रिलीज कीजिए।

नोरा को महिला आयोग ने किया तलब

आपको बता दें कि नोरा फतेही मार्च 2026 में उस वक्त चर्चा में आ गई थीं, जब फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' रिलीज हुआ था। इस गाने पर उन्होंने डांस किया था। इस गाने की दर्शकों ने काफी आलोचना की थी। इसके हिंदी गाने के बोल और विजुअल्स दोनों ही अश्लील और आपत्तिजनक लगे थे। इस मामले पर महिला आयोग ने कड़ा रुख अपनाया और नोरा को तलब किया था।

क्या बोली नोरा?

आज नोरा फतेही राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने बाहर आकर मीडिया से कहा 'यह बस एक ऐसी स्थिति थी जिसमें मुझे डाल दिया गया और मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। एक कलाकार होने के नाते मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी ही होगी। मैंने माफी मांग ली है और सब कुछ लिखित में दे दिया है। वो लोग बहुत ही दयालु और मददगार हैं।'

इन गानों में नजर आईं नोरा

ख्याल रहे कि नोरा फतेही फिल्म 'केडी' में नजर आ चुकी हैं। वह 'थामा' के गाने 'दिलबर की आंखों का' में नजर आ चुकी हैं। वह 'एन एक्शन हीरो' के गाने 'जेडा नशा' और 'सत्यमेव जयते 2' के गाने 'कुसु कुसु' में नजर आ चुकी हैं। वह कई विदेशी कलाकारों के साथ गानों में डांस करते हुए नजर आ चुकी हैं।

नानी की द पैराडाइज 2 भागों में होगी रिलीज? निर्माताओं ने दी ये प्रतिक्रिया

साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज को देखने का इंतजार बढ़ गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान किया, जो 21 अगस्त, 2026 है। दरअसल, पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज होना था, जिससे इसकी टक्कर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और यश की टॉक्सिक से होने की संभावना थी। इस बदलाव के बीच द पैराडाइज के 2 भागों में रिलीज होने की चर्चा थी, जिसपर निर्माताओं ने प्रतिक्रिया दी है।

रिपोर्ट के हवाले से बताया, द पैराडाइज के निर्माताओं ने पुष्टि की है कि वह इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को स्टैंडअलोन के रूप में रिलीज करेंगे। मतलब यह कि फिल्म को कोई सीक्वल नहीं होगा। इसे एक स्वतंत्र प्रोडक्शन के रूप में रिलीज किया जाएगा, इसका किसी अन्य प्रोजेक्ट से कोई संबंध नहीं होगा। बताया जाता है कि निर्माताओं ने फिल्म के भविष्य को लेकर उत्सुक एक प्रशंसक के सवाल पर यह स्पष्टीकरण दिया है।

द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है जिसमें मुख्य अभिनेता के अलावा, राघव जुयाल, मोहन बाबू, तनिकेला भरानी, सोनाली कुलकर्णी, संपोर्नेश बाबू और ईश्वरी राव जैसे सितारे दिखेंगे। निर्माताओं का दावा है कि यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म होगी। इसकी कहानी एक वंचित समूह के इर्द-गिर्द घूमेगी जो अपने अधिकारों के लिए सत्ता को चुनौती देता है। बता दें, नानी आखिरी बार फिल्म हिट: द थर्ड केस में नजर आए थे जो मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com